



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20]  
No. 20]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 17, 1975 (वैशाख 27, 1897)

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 17, 1975 (VAISAKHA 27, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

**Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India**

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 मार्च 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I, दिनांक 24 जनवरी, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 28 फरवरी, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 31 मार्च 1975

सं० ए० 35017/1/73-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं० ए० 35017/1/71-प्रशा०-II, दिनांक 24-3-1972 के अनुक्रम में महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व कार्यालय के अधी० ने० से० लेखाकार श्री ए० के० मुन्शी को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 13-3-1975 से एक वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी 1-66G1/75

पहले हो, सामान्य केन्द्रीय सेवा में राजपत्रित क्लास II लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव

नई दिल्ली 110011, दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० पी०/1765-प्रशासन-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक-22-8-1974 के अनुक्रम में महा निदेशक, डाक और तार नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्यरत अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० बोहरा को 1-3-1975 से 31-12-75 तक अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

सं० पी०/1763-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16-8-1974 के अनुक्रम में निर्माण, आवास और नगर विकास मंत्रालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० बी० माथुर को

1-3-75 से 31-12-75 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति दी गई है।

पी० एन० मुखर्जी  
अवर सचिव  
कते अध्यक्ष

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी, श्री आर० आर० अहीर को राष्ट्रपति द्वारा दिनांक 3-3-75 से 27-3-75 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 1 अप्रैल 1975

सं० ए० 12025(ii)/2/74-प्रशा०-II—मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० जा० सं० 5/17/74-सी० एस० (II), जिल्द-III, दिनांक 13-2-75 के साथ पठित उक्त विभाग के का० जा० सं० 5/17/74-सी० एस० (II), दिनांक 2-11-74 के अनुसरण में 'सेवा काल' वर्ष से वर्ष 1974 के लिये अनुभाग अधिकारी ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित किए जाने के लिये नामित वित्त मंत्रालय के के० स० से० संवर्ग के सहायक श्री पी० लालचन्द नावानी को राष्ट्रपति द्वारा 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/2/75-प्रशा०-III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा संवर्ग के स्थायी अधिकारी, श्री एम० ए० गणपति राम को, राष्ट्रपति द्वारा के० स० से० नियमावली, 1962 के नियम 10 के परन्तुक के अधीन, दिनांक 1 मार्च, 1975 से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० टी०-5/72-प्रशासन-5—राजस्थान राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री तेग बहादुर सिंह, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली शाखा ने दिनांक

5-2-75 (अपराह्न) में पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० ए/22013/2/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा निम्नलिखित पुलिस निरीक्षकों/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदोन्नति की तिथि
1.	श्री जी० डी० महन्ता	19-3-75 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एम० त्यागराजन	17-3-75 (पूर्वाह्न)
3.	श्री डी० एम० राव	19-3-75 (पूर्वाह्न)

दिनांक 7 अप्रैल, 1975

सं० ए-19021/ /75-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री आर० के० गुप्ता, भारतीय पुलिस सेवा (1969-तमिलनाडु) को दिनांक 15 मार्च, 1975 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 अप्रैल 1975

सं० ए-19020/2/75-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति निम्नलिखित भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को दिनांक 1-4-75 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना नियुक्त करते हैं:—

1. श्री श्री० पाण्ड्या, भारतीय पुलिस सेवा, बिहार, 1957,
2. श्री वाई० राज पाल, भारतीय पुलिस सेवा मध्य प्रदेश, 1957।

दिनांक 11 अप्रैल 1975

सं० एम०-4/72-प्रशासन-5—श्री एम० एच० खान, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची की सेवाएं दिनांक 31-3-75 (अपराह्न) से बिहार राज्य पुलिस को वापस सौंपी जाती हैं।

श्री एम० एच० खान ने दिनांक 31-3-75 (अपराह्न) को पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची के कार्यालय में अपने पुलिस उप-अधीक्षक के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 14 अप्रैल 1975

सं० 4/19/74-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा श्री राज मोहिन्दर सिंह बरार को दिनांक 28-2-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 अप्रैल 1975

सं० ए/22013/2/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा श्री आर० डी० पाण्डे पुलिस निरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एस० आई० यू०, नई दिल्ली को दिनांक 29-3-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस उप-अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 2/20/74-प्रशासन—श्री ए० के० राय, आई० ए० एस० (उडीसा : 1956 1/2) ने औद्योगिक विकास विभाग में आयुक्त (औद्योगिक सहकारिता) के पद के लिये चुने जाने पर 17 मार्च, 1975 के अपराह्न से विभागीय जांच आयुक्त केन्द्रीय सतर्कता आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० व्ही० दिधे,  
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 31 मार्च 1975

सं० ओ०-II-959/74-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर बुन्दू गंगाधर राव को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर बुन्दू गंगाधर राव को दूसरे बेंस हास्पिटल, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल आबादी/हैदराबाद में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 19 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 4 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-1001/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर प्राताप कुमार प्राधान को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर प्राताप कुमार प्राधान की गुरुप सेंटर पूना, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 13 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 5 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-998/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस डाक्टर तारिक अहमद की तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष

के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर तारिक अहमद को गुरुप सेंटर त्रिवेन्द्रम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 28 फरवरी, 1975 अपराह्न से संभाल लिया है।

सं० ओ०-II-999/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर नारायण मिसरा को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनके कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त करते हैं।

2. डाक्टर नारायण मिसरा को बेंस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली में नियुक्त किया जाता है और उन्होंने अपने पद का कार्यभार दिनांक 14 फरवरी, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

दिनांक 10 अप्रैल 1975

सं० ओ०-II-990/74-स्थापना-1—डाक्टर सुरेन्द्र एम० एन० ने उ नके त्याग पत्र के स्वीकृत होने पर 23 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल से कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी पद का त्याग 17-3-75 पूर्वाह्न से कर दिया।

सं० डी०-I-1/74-इस्ट—इस महा निदेशालय के अधि-सूचना नं० डी०-I-1/74-इस्ट, दिनांक 18-3-75 में श्री आर० के० मेहरा के 37वीं बटालियन, सी० आर० पी० एफ० में कमान्डेंट के पद का कार्यभार छोड़ने की तिथि को 5-2-74 अपराह्न की बजाय 5-2-75 अपराह्न पढ़ा जाये।

एस० एन० माथुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 20 मार्च 1975

सं० ई-16014(1)/2/74-प्रशासन-1—बिहार राज्य पुलिस से स्थानान्तरित होने पर, श्री अरुण चन्द्र राय ने श्री ए० बी० चौधरी के स्थान पर दिनांक 17 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन, कलकत्ता, के कमान्डेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। अपने मूल राज्य (पश्चिम बंगाल) में प्रत्यावर्तित होने पर श्री ए० बी० चौधरी ने उसी दिनांक अर्थात् 17-2-75 के पूर्वाह्न से उपरोक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 3 अप्रैल 1975

सं० ई-32015(1)/10/73-प्रशासन-1—चूँकि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में 2 अप्रैल, 1975 अपराह्न को ले० कर्नल एच० एस० बदी की वर्तमान पुनर्नियुक्ति की शर्तें

समाप्त होनी है, इसलिये उन्होंने दिनांक 20 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम लि०, नांगल, के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्हें दिनांक 20 मार्च, 1975 से 2 अप्रैल, 1975 (अपराह्न) तक 14 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

दिनांक 4 अप्रैल, 1975

सं० ई-38013(2)/12/74-प्रशा०-1—श्री डी० वी० बहल ने दिनांक 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली की 8वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली के ग्रुप कमांडेंट, पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 5 अप्रैल 1975

सं० ई-16014(1)/1/73-प्रशा०-1—केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में प्रतिनियुक्ति की अपनी वर्तमान अवधि की समाप्ति पर मणिपुर पुलिस सेवा को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री आई० सी० सिंह ने दिनांक 10 मार्च, 1975 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

कार्यालय, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 मार्च, 1975

सं० 25/19/74-आर० जी० (ए०डी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/19/74-आर० जी० (ए०डी०-1), दिनांक 16 मई, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री वी० वेणुगोपाल राव के, जो आन्ध्र प्रदेश सरकार के अन्तर्गत विशेष श्रेणी उपसमाहर्ता है, आन्ध्र प्रदेश के उप जनगणना निदेशक के पद पर की अस्थाई नियुक्ति को दिनांक 14 मार्च, 1975 (अपराह्न) से एक वर्ष की और अवधि के लिये सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 25/6/74-आर० जी० (ए०डी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/6/74-आर० जी० (ए०डी०-1), दिनांक 12 जुलाई, 1974 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति श्री आर० सी० कथूरिया के भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक (तकनीकी) के पद पर की तत्काल नियुक्ति को दिनांक 1 मार्च, 1975 से 31 दिसम्बर, 1975 तक या अगले आदेश प्रेषित होने तक सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 25/12/74-आर० जी० (ए०डी०-1)—अपने सेवा में विस्तार की अवधि के समाप्ति के फलस्वरूप श्री ए० के० भट्टाचार्या ने दिनांक 31 मार्च, 1975 के अपराह्न से त्रिपुरा के जनगणना निदेशक के पदभार को सौंप दिया।

बद्रीनाथ,  
भारत के उप महापंजीकार एवं पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 18 मार्च, 1975

सं० 3595/ए०—महाप्रबन्धक, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड, इसके द्वारा 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से पूर्णतया तदर्थ रूप से दो महीने के लिये अथवा तब तक नियन्त्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए निम्नांकित अधिकारियों को उप नियन्त्रण अधिकारियों के रूप में नियुक्त करते हैं :—

(II श्रेणी राजपत्रित पद)

- (1) श्री डी० एम० पतकी
- (2) श्री व्ही० श्रीनिवासन,
- (3) श्री रा० जे० माडराकर
- (4) श्री बी० एम० मंडल

सं० 3596/ए०—श्री दत्तात्रय पुंडलिक जांबोटकर स्थाई भंडारी, केन्द्रीय मुद्रांक भंडार, नासिक रोड के केन्द्रीय मुद्रांक भंडार में (द्वितीय श्रेणी राजपत्रित पद) उप मुद्रांक पूर्ति अधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-880-40-1000-ई० वी०-40-1200 में 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है अथवा तब तक नियन्त्रित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए।

दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० 3650/ए०—निम्नांकित नियन्त्रण निरीक्षकों की (वर्ग III अराजपत्रित) चतुर्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड एतद्वारा उप-नियन्त्रक अधिकारियों के रूप में (वर्ग II राजपत्रित पद) चतुर्थ पत्र मुद्रणालय में रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के संशोधित वेतनमान में, 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से 6 महीने के लिए तदर्थ रूप में अथवा इसके पहले नियमित पदपूर्ति तक नियुक्ति की जाती है।

1. श्री एफ० एच० कोल्हापुरवाला
2. श्री एस० वी० चान्दबखर
3. श्री एच० के० शेजवाल
4. श्री एन० सी० सेनगुप्ता
5. श्री बी० एस० पाटील
6. श्री वी० वाय० देशपांडे
7. श्री जे० सी० लोध

श्री एन० सी० सेनगुप्ता को जो बैंक नोट प्रेस, देवास में प्रतिनियुक्ति पर हैं, कच्ची पदोन्नति दी गई है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री सेनगुप्ता बैंक नोट प्रेस देवास में जिस पद पर हैं, वह उनकी सेवा की सामान्य परिधि से



बाहर है और उनके मामले में "अगले निम्न नियम" के अन्तर्गत लाभ स्वीकृति की सभी पूर्व शर्तें पूरी कर ली गई हैं।

वि० ज० जोशी,  
महाप्रबन्धक

भारत सरकार टकसाल

हैदराबाद, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० 1-182/II/75/—केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के सिफारिश और स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्रालय (स्वास्थ्य विभाग) नई दिल्ली पत्र सं० ए० 12025/130/75 सी० एच एस० II, दिनांक 13-2-1975 के अनुसार टकसाल अध्यक्ष, भारत सरकार, हैदराबाद ने डा० टी० के० गोपालाराव को स्थायी टकसाल में जूनियर मेडीकल आफिसर के पद पर 8-3-1975 और आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

पी० एम० राव,  
टकसाल अध्यक्ष

बैंक नोट मुद्रणालय

देवाम, दिनांक 29 मार्च, 1975

—नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/ई/स्पे/27/—श्री रा० अ० मिश्र, अनुभागीय अधिकारी, वित्त मन्त्रालय, आर्थिक कार्य विभाग की बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी के तौर पर की गई स्थानापन्न नियुक्ति दिनांक 1-4-75 से 30-6-75 तक या पद को भर्ती नियमों के अनुसरण में नियमित रूप से भरे जाने तक, जो भी पूर्वस्तर हो तदर्थ रूप से निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी,  
महा-प्रबन्धक।

लेखाकार कार्यालय, पश्चिमी बंगाल

ट्रैजरी बिल्डिंग

पश्चिमी बंगाल, दिनांक

1975

सं० —लेखाकार पश्चिमी बंगाल ने दो सेक्शन अधिकारी जिनका नाम नीचे अंकित किया गया है अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर क्रमशः दिनांक 25-11-74 और 2-12-74 से अथवा पद ग्रहण करने की तिथि से जो बाद में हो नियुक्त करने की कृपा की है :—

(1) सर्वश्री पुलिन चन्द्र दास 25-11-74 पूर्वार्द्ध (एफ० एन०)

(2) सर्वश्री संतोष कुमार चौधरी 2-12-74 पूर्वार्द्ध (एफ० एन०) इसकी पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जायेगी।

सं० —महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने श्री पियूष कान्ति भट्टाचार्य, स्थायी सेक्शन आफिसर को अस्थायी लेखा अधिकारी के पद पर जिस तारीख से वे पद धारण करते हैं अगले आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

इन अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता बाद में अंकित की जाएगी।

हस्ता०

वरिष्ठ उप लेखाकार,  
पश्चिम बंगाल

लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग शीर्षक के अन्तर्गत

श्रीनगर, दिनांक 9 अप्रैल, 1975

सं० एडम० I/60 (72) 75-76/96-98—महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने आगामी आदेश तक के लिए इस कार्यालय के अधीनस्थ लेखा सेवा के सदस्य श्री मोहन कृष्ण तिकू को 3 अप्रैल 1975 के पूर्वार्द्ध से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

पी० के० बोस,  
वरिष्ठ उप-महालेखाकार  
प्रशासन तथा अधिकरण

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, प्रथम इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० प्रशासन-I/II-144/xi (ii)/390—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-1 (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के सामने अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

सर्व श्री

1. कृपा शंकर श्रीवास्तव 1-3-75
2. कृष्ण चन्द्र घोष 18-3-75

यू० राम चन्द्र राव,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, बिहार

रांछी-2, दिनांक 29 मार्च, 1975

सं० ओ ई०आई-ओडो० 6327—महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री राधिका बिहारी सिन्हा स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 5-12-74 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ब० प्र० सिंह,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा०)  
बिहार।

## मुख्य लेखा परीक्षक

मद्रास-3, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

सं० —श्री के० कृष्णराव को, जो दक्षिण रेलवे के मुख्य लेखा परीक्षक के कार्यालय में अधीन रेलवे लेखा परीक्षा सेवा का एक स्थायी सदस्य हैं, 17-3-75 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश मिलने तक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया जाता है।

इस मामले में पदोन्नति केवल तदर्थ रूप से की गयी है और वह सर्वोच्च न्यायालय के अन्तिम आदेशों पर अवलंबित होगी।

के० पी० जोसफ,  
मुख्य लेखा परीक्षक

## रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल, 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०—रक्षा लेखा महा नियन्त्रक बड़े खेद के साथ आख्यापित करते हैं कि रक्षा लेखा नियन्त्रक (फैक्टरीज), कलकत्ता के संगठन के श्री बी. डी० करानदिकर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० ओ०/156) का 15-1-1975 को निधन हो गया है।

तदनुसार श्री करानदिकर को रक्षा लेखा विभाग की नफरी से 16-1-1975 (पूर्वाह्न) से निकाल दिया गया है।

एस० के सुन्दरम,  
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशासन)

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 3 अप्रैल, 1975

सं० 12/75/जी—दो वर्षों तक की सेवा वृद्धि की मंजूरी की समाप्ति पर, श्री आई० एन० खुल्लर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (स्थायी फोरमैन) दिनांक 13, अक्टूबर, 1974 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 13/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति 58 वर्ष की आयु प्राप्त कर, निम्नलिखित अधिकारियों ने प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से सेवा निवृत्त हुए।

1. श्री बी० आर० झा, स्थायी प्रधानाचार्या, 31 दिसम्बर 1974 (अपराह्न)।

2. श्री आई० एस० जुदाह, स्थानापन्न, सहायक प्रबन्धक (मौलिक फोरमैन), 31 जुलाई, 1974 (अपराह्न)।

एम० पी० आर० पिल्लाय,  
सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

## वाणिज्य मन्त्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 8 अप्रैल, 1975

सं० 18 (1)/73-75/सी० एल बी० II/बी—वस्त्र (शक्तिशालित करघों द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० टी० सी० (32-ए०)/59 दिनांक 16 मार्च, 1959 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में क्रमसंख्या 13 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,

मद्रास

(दो) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,

मद्रास।

(तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,

मद्रास

(चार) उप-निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और

वस्त्र का कार्यालय, मद्रास

(पांच) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा

और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास

(छः) सहायक निदेशक (हाथ करघा और वस्त्र) कोइम्ब-

तूर, सेलम, मथुराई, त्रिची, तिरुनेलवेली, कांची-  
पुरम, मथुराई, स्थित रामनाड, इरोड और  
तिरुचेनागाड मंडलों में

(सात) सभी वस्त्र नियन्त्रण अधिकारी

(आठ) सभी वस्त्र निरीक्षक

(नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक की श्रेणी से नीचे के न हों।

(दस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक अधि-  
कारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न हों।

(ग्यारह) पुलिस तथा आबकारी विभाग के अधिकारी जो सबइंस्पेक्टर की श्रेणी से नीचे के न हों।”

सं० 18 (I)/73-75/सी० एल० बी०-II/ए—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियन्त्रण आदेश, 1962 के खंड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 16(2)/66-सी० एल० बी० II/सी० दिनांक 6 दिसम्बर, 1967 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी के स्तम्भ 2 में क्रम संख्या 15 के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“(एक) सरकार के सचिव, उद्योग विभाग,

मद्रास

- (दो) निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,  
मद्रास
- (तीन) संयुक्त निदेशक हाथकरघा और वस्त्र,  
मद्रास
- (चार) उप-निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा और  
वस्त्र का कार्यालय, मद्रास
- (पाँच) सहायक निदेशक (वस्त्र), निदेशक हाथकरघा  
और वस्त्र का कार्यालय, मद्रास
- (छः) सभी सहायक निदेशक हाथकरघा और वस्त्र  
कोडम्बतूर, सेलम, मथुराई, त्रिची, तिरुनेलवेली,  
कांचीपुरम, मथुराई स्थित रामनाड, इरोड और  
तिरुचेनगोड मंडलों में
- (सात) सभी वस्त्र नियन्त्रण अधिकारी
- (आठ) सभी वस्त्र निरीक्षक
- (नौ) राजस्व विभाग के अधिकारी जो राजस्व निरीक्षक  
की श्रेणी से नीचे के न हों।
- (दस) वाणिज्य-कर विभाग के अधिकारी जो सहायक  
अधिकारी वाणिज्य-कर की श्रेणी से नीचे के न  
हों।
- (ग्यारह) पुलिस विभाग के अधिकारी जो सब-इंस्पेक्टर  
की श्रेणी से नीचे के न हों।"

गौरी शंकर भागव,  
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण  
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1975

सं० 6/1047/74-प्रशा० (जी०)—मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात एतद् द्वारा अग्रवर्ती विपणन आयोग, बम्बई के  
वरिष्ठ अनुसन्धान सहायक श्री डी० वी० बानी को 27 फरवरी,  
1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक संयुक्त मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात का कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न रूप में नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात, क्लास-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर)  
नियुक्त करते हैं।

श्री डी० वी० बानी 650-30-740-35-810-द० अ०-  
35-880-40-1000 द० अ०-40-1200 रुपये के वेतनमान  
में निगमों के अनुसार वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 2 अप्रैल 1975

सं० 6/1052/74-प्रशा० (जी०)—मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात, एतद् द्वारा श्री बी० एस० पाल, एस० एस० ए०,  
रक्षा मन्त्रालय, अनुसन्धान एवं विकास संगठन, देहरादून को अगले  
आदेशों तक 5 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से संयुक्त मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में स्थानापन्न रूप से नियन्त्रक,

आयात-निर्यात श्रेणी-2 (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) के  
रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बी० एस० पाल नियमानुसार, 650-30-740-35-  
810 द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के  
वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे।

ए० टी० मुखर्जी,  
उप-मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात  
रुहे मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग  
कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1975

सं 32014/4/74-प्रशासन (राज०)—विकास आयुक्त  
(लघु उद्योग), विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिशों पर,  
“एक पद नीचे” नियम के आधीन, निम्नलिखित अधिकारियों  
को, दिनांक 25 फरवरी, 1975 से आगामी आदेशों तक के लिए,  
650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 रुपए के  
संशोधित वेतनमान में, सहायक निदेशक (वर्ग-2) (औद्योगिक  
प्रबन्ध व प्रशिक्षण) के पद पर, “प्रोफार्मा” पदोन्नति प्रदान करते  
हैं:—

(1) श्री ए० एल० खनेजा, सहायक निदेशक (वर्ग-1)  
(औद्योगिक प्रबन्ध व प्रशिक्षण) लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना।

(2) श्री आई० आर० किशवई, उपनिदेशक (निर्यात  
संवर्द्धन), लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली।

प्रमाणित किया जाता है कि यह प्रोफार्मा पदोन्नति “एक  
रिक्त स्थान पर एक अधिकारी” के सिद्धान्त के अनुसार की गई  
है और इन मामलों में “एक पद नीचे” के नियम की अन्य शर्तें  
पूरी कर ली गई हैं।

सं० ए० 19018/161/75 प्रशा० (राज०):—उत्पादन  
केन्द्र एलमनूर में, अर्द्ध स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी  
(औद्योगिक प्रबन्ध तथा प्रशिक्षण) श्री एम० एस० नरसिंह  
मूर्ति को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान,  
त्रिचूर में, अगले आदेशों तक के लिए, तदर्थ आधार पर सहायक  
निदेशक (वर्ग-2) नियुक्त करते हैं। श्री नरसिंह मूर्ति ने  
सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक 12  
फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से संभाला।

के० वी० नारायणन,  
निदेशक (प्रशासन)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) देवहन्द्र राज कोषर (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री हीरा नन्द (अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

लखनऊ, दिनांक 17 फरवरी 75

निदेश नं० 12 एच/अर्जन—अतः मुझे विश्मभर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 78/1-2 है तथा जो चन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 2100 स्कवायर फुट है यह चन्द्रनगर आलमबाग लखनऊ में स्थित है।

विश्वभर नाथ  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-2-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज,

शिलांग, दिनांक 20 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए०-83/शिग०/74-75/3891—99—अतः

मुझे एगवर्ट सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० रोडीसट्रेसन नं० 197 है तथा जो उमलारे में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती पर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
2—66GI/75

(1) श्रीमती भारगेगटार्द हेलेन, जेजाउ बानग खारमकि मलकि, शिलांग। (अन्तरक)

(2) श्रीमती असिमा चौधरी, के/अ ए० के० चौधरी ओकलेन्ड रोड, शिलांग। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के माप 34.39 एकर जो कि उमलारेन रेहद माउबा, मिल्लिम सियामसिप, खासी हिल्स जिला, मेघालय प्रदेश में है।

एगवर्ट सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अजन रेंज, शिलांग

तारीख : 20-2-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Acq. File No. 173/J. No. I(222 & 223/KR/74-75.—  
K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 40-15/1—6 Brundavan Colony, Vijayawada

में स्थित है (और

इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Vijayawada

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri 1. Donepudi Ananta Ramaiah 2. Donepudi Leela Krishna Prasad and 3. Donepudi Sai Satyanarayana Prasad.

(Transferor)

(2) Shri 1. Sabbineni Raghavaiah 2. Sabbineni Venkatarao and 3. Smt. Sabbineni Vindya Rani, Nagayalakka, Divi Taluk.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District, Vijayawada Sub-Registrar, Vijayawada Municipality, Vijayawada Town, Mogalrahapuram, Brundavan Colony, Old Ward No. 24, New Ward 28, Revenue Ward 11, Block 4, N.T.S. No. 73, Asst. No. 26134, Door No. 40-15/1-6, Site with Daba House.

#### BOUNDARIES

East—Municipal Road

South—House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah

West—House site of Sri Sabbineni Raghavaiah

North—Joint compound wall of E. Laxmaiah

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 13-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाड़ा

Kakinada, the 6th March 1975

Acq. File No. 168/J. No. I(583)/74-75.—

यतः मुझे, K. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 है, जो Kothapeta में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kothapeta रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) Shri 1. Polipaka Narasimharao, Kothapeta 2. Pulipaka Venkataramanamurthy, Kothapeta, 3. P. Narayana Rao, Deputy Commercial Tax Officer, O/o Commissioner of Commercial Taxes, Hyderabad, 4. Pulipaka Acharya, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Srikakulapu Satyavathi 2. S. Suryanarayana 3. S. Rambabu and 4. S. Narayana-murthy, C/o Narayana Silk House, Main Road, Kothapeta.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## THE SCHEDULE

East Godavari District, Kothapeta Sub-Registrar-Kothapeta Village New settlements Nos. 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 Total land 9-02 cents. The details are as under :—

Document No.	Amount	New settlement No.	Extent of land
1656/74	Rs. 10,000	733/1 & 733/3	1-51(1-16&035)
1653/74	Rs. 10,000	733/3	1-51
1658/74	Rs. 15,750	716/2	2-00
1659/74	Rs. 5,750	733/3	1-00
1660/74	Rs. 5,750	733/1	0-85
1661/74	Rs. 15,750	733/2	2-15
	Rs. 63,000	Land Aq.	9-02 cents.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

दिनांक : 6-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Acq. File No. 158/J. No. I(180)VSP/74-75.—

मतः, मुझे, K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० Door No. 6-2-19A Waltair ward है जो,  
Waltair में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, Visakhapatnam में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा  
269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) Shri Nalla Mahesh Kumar, S/o Apparao,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Shri Arumilli Achuta Ramarao S/o Satyanara-  
yana, Nidadavolu.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Visakhapatnam District, Visakhapatnam Sub-Registrar  
Visakhapatnam Municipality Waltair ward Revised T.P.  
No. 25/71, T.S. No. 76, Block No. 1, Plot No. 11 Door  
No. 6-2-19A, Asst. No. 621, 817 Sq. Yds. with A.C.  
sheets shed etc.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 26-2-1975

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,  
KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

J. No. I(273)/KR/74-75/Acq. File No. 157.—  
K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० Land in Rs. No. 135/2 है जो Angaluru village में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Gudiwada

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कक्षित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,

की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shrimati Lingam Ragamma, W/o Nagabushnam  
Represented by Sri Lingam Venkataratnam  
Genl Power of Attorney; Angalur Village,  
(Transferor)

(2) Shri Chekuri Ramachandra Prasad, Perisapally  
Post Krishna Dt.  
(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें ।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

Krishna District Gudiwada Sub-Registrar, Angaluru Village, Gram Panchayat Angaluru village, R.S. No. (1) 135/2 Ac. 5-52 2. Rs. S. No. 134/3 Ac. 0-91 3. R.S. No. 137/4 0-18 cents 4. R.S. No. 137/1 0-32 cents 5. R.S. No. 260/2 0-68 cents, 6. R.S. No. 133/3 0-48 cents  
Total land Ac. 8-09 cents.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 26—2—75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1975

J. No. 1(220)/74-75.—यतः मुझे

Acq. File No. 160.

K. Subbarao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०

Door No. 12-2-104 Balakrishna Market है जो Vijayawada में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) [के अधीन 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण में, मैं, said Act की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) 1. Sri G. Tirunarayana Krishna Arya, 2. Sri G. R. Krishna Arya, 3. G. S. Sundararama Krishna Arya, 4. Sri G. Sreedhara Krishno Arya, 2 to 4 are being minors guardian father Sri Tirunarayana Krishna Arya, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Sri Tatavarthy Veera Aleka Gopala Krishna Suryanarayana Murthy, Vijayawada.

(Transferee)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Krishna District Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada Municipality Vijayawada Town Babu Rajendra Prasad Road Revenue Ward No. 5-Block No. 8 N.T.S. No. 505, Door No. 12-2-104, Asst. No. 9381-1432 Sq. Yards.

#### BOUNDARIES

East—Compoundwall of Sheikh Sadulla Haheb;  
South—Shops of Sri Kowta Purnanadam  
West—Municipal Road and  
North—Property of Hazimunnisa Begum.

K. SUBBARAO

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, Kakinada

Date : 27-2-1975.

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/390/74-75--अतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसी सं० प्लॉट नं० 4-बी, है तथा जो ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908- (1908 का 16) के अधीन अग्रस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मै० कामन बैलथ सपिनिंग और निटिंग मिलज प्रा० लि०, लुधियाना पारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमम लता पत्नी श्री कैलाश कुमार बी- -1061, शिवाला संगलावला, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 4-बी, क्षेत्रफल 367 वर्ग गज, जोकि पहिले मैसर्ज कामन बैलथ सपिनिंग और निटिंग मिलज प्रा० लि०, कम्पनी का था, और जोकि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है ।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4703, अग्रस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है । )

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 6-2-1975  
मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/478/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14-ए० है तथा जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, लुधियाना पर स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और सूर्य रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मै० कामन वेलथ सर्पिंग और निटिंग मिलज प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) श्री कैलाश कुमार पुत्र श्री मन प्रकाश वी-IX-1066 1066, शिवाला संगलावाला, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लॉट नं० 14-ए०, क्षेत्रफल 517 2/3 वर्ग गज है जो कि पहले मै० कामन वेलथ सर्पिंग और निटिंग मिलज प्रा० लि० कम्पनी का था और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4929 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/479/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट और कमरा है जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का, 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या बिना जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कामन वेलथ सर्पनिंग और निर्दिग मिल्ज प्रा० प्रा० लि०, लुधियाना (द्वारा श्री प्यारा लाल डायरेक्टर) (अन्तरक)

(2) मै० मालिग राम मत प्रकाश साबन बाजार, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और कमरा क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, जो कि पहले मै० कामन वेलथ सर्पनिंग और निर्दिग मिल्ज, प्रा० लि०, का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4493, अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख . 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० LDH/सी/480/74-75—अतः मुझे, जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 7-डी, जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० कामन वैल्थ सर्पनिंग और निटिंग मिल्स प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमम लता पत्नी श्री कैलाश कुमार, वी- 1-1061, शिवाला मंगलावाला, लुधियाना। (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 7डी, क्षेत्रफल 266 वर्ग गज, जो कि पहल मैसर्ज कामन वैल्थ सर्पनिंग और निटिंग मिल्स प्रा० लि०, कम्पनी का था जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4356, अगस्त 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

जी० पी० सिंह,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० डी० एच०/सी/481/74-75—अतः  
मझे, जी० पी० सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 7-बी जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कामन वैल्थ सप्लिंग और निटिंग मिल प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर (अन्तरक)

(2) (i) श्री संजै कुमार (ii) श्री अनिल कुमार (iii) श्री सतीश कुमार पुत्रान श्री वेद प्रकाश, निवासी 468-एल, माडल टाऊन, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 7बी, क्षेत्रफल 209-11/16 वर्ग गज, जो कि पहले मैसर्स कामन वैल्थ सप्लिंग और निटिंग मिल्स, प्रा० लि०, कम्पनी का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4355 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/482/74-75—अतः, मुझे,  
जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त, आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० प्लॉट नं० 7-ए जो कि ओसवाल मार्ग जिसे  
गुप्ता मार्ग कहा जाता है, पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित  
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कामन वेलथ सर्पिनिंग और निटिंग मिल्स, प्रा०  
लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर  
(अन्तरक)

(2) श्री मनोज कुमार पुत्र श्री अविनाश चन्द्र, माडल  
टाउन, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 7-ए क्षेत्रफल 181 1/2 वर्ग गज, जो कि पहिले  
मंसर्ज कामन वेलथ सर्पिनिंग और निटिंग मिल्स प्रा० लि०,  
कम्पनी का था और जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता  
मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4357, अगस्त, 1974  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 2-75

निर्देश स० एल० डी० एच० /सी/483/74-75---अतः  
मुझे जी० पी० सिंह

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट न० 7-बी, जो कि ओसवाल मार्ग जिसे  
गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है, तथा जो लुधियाना में  
स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कामन वेलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्स प्रा० लि०  
लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिद्रकुमार पुत्र श्री अमर नाथ, रायकोट, जिला  
लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट न० 7-बी, क्षेत्रफल 233-13/16 वर्ग गज, जो कि  
पहिले मैसर्स कामन वेलथ सपिनिंग और निटिंग मिल्स प्रा० लि०,  
कम्पनी का था जो कि ओसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग  
भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख न० 4441, अगस्त, 1974,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/485/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है तथा जो ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कामन वैल्थ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरिन्द्र गोयल पत्नी श्री राजिन्द्र पाल गोयल निवासी गली नं० 7, बी-XXIII/356/77, जनकपुरी, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लॉट नं० 1, क्षेत्रफल 736 $\frac{1}{2}$  वर्ग गज, जो कि पहिले मे० कामन वैल्थ सपिनिंग और निटिंग मिल्ज प्रा० लि० का था, और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख नं० 4634 अगस्त, 1974, में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 75

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी/484/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट नं० 2 है जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहते हैं तथा जो लुधियाना में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० कामन वेलथ सपिनिंग और निटिंग मिलज, प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा भी प्याग लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

(2) (i) श्री सुरिन्द्र कुमार मिन्तल पुत्र श्री परस राम,

(ii) श्री राज कुमार पुत्र श्री जगन नाथ, निवासी इन्डस्ट्रीयल गेरिया ऐ, नं० 184, लुधियाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नबोइस्तासरी के पात्र लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2 क्षेत्रफल 843 ½ वर्ग गज जो कि पहले मै० कामन वेलथ सपिनिंग और निटिंग मिलज प्रा० लि० का था और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहते हैं, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4778 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकृत अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

जी० पी० सिंह,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चंडीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/486/74-75-अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-ए, जो कि ओसवाल मार्ग जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित है को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मै० कामन वैल्य सीपनिंग और निटिंग मिलज, प्रा०, लि०, लुधियाना द्वारा श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर। (अन्तरक)

2. श्री चिरन्जी लाल पुत्र श्री रत्नाराम, मवान नं० 1134/23, मुहल्ला अजाद नगर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3-ए, क्षेत्रफल 558 2/3 वर्ग गज जो कि पहले मैसर्ज कामन वैल्य सीपनिंग और निटिंग मिलज, प्रा० लि० कम्पनी और जो कि ओसवाल मार्ग लुधियाना जिसे गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4880 अगस्त, 1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

जी० पी० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 6-2-1975

मोहर;

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० यू०ए०सी०/487/74-75—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन  
रेंज, चण्डीगढ़।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 जो कि भोसवाल मार्ग जिसे  
गुप्ता मार्ग भी कहा जाता है पर स्थित है तथा जो लुधियाना में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना  
चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-

1. मैसर्स कामन वैल्थ सर्पनिंग और निटिंग मिल्स,  
प्रा० लि०, लुधियाना द्वारा  
श्री प्यारा लाल, डायरेक्टर (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सुरजीत  
सिंह बाई-पास क्वार्टर नं० 35,  
गिल मार्ग लुधियाना  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, इसके के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**रजिस्ट्रीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 2, क्षेत्रफल 1300 वर्गगज, जो कि पहले  
मै० कामन वैल्थ सर्पनिंग और निटिंग मिल्स, प्रा० लि०  
था। और जो कि भोसवाल मार्ग, लुधियाना जिसे गुप्ता  
मार्ग भी कहा जाता है, पर स्थित है।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 4840 अगस्त,  
1974 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय  
में लिखा है।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० के० टी० एल/6/74-75—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि 27 कनाल 5 मरले फैक्टरी बिल्डिंग साथ है। जो कि महो चौधरी कैथल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पट्टी चौधरी कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० कैथल शोरा उद्योग, जीन्द मार्ग  
कैथल द्वारा सर्व/श्री (i) दिवान चन्द  
(ii) लाल चन्द (iii) ज्ञान चन्द (iv)  
प्रिथी चन्द (v) रोशन चन्द (vi)  
सीता राम (vii) प्रिथी पाल (viii)  
चमन लाल हिस्सेदार (अन्तरक)

2. मै० हिन्दुस्तान साल्ट पीटर इन्डस्ट्रीज,  
जीन्द रोड, कैथल द्वारा श्री मिठन लाल  
वांसल पुत्र श्री सीता राम, कैथल।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 27 कनाल 5 मरले साथ में फैक्टरी और बिल्डिंग जो कि पट्टी चौधरी कैथल में है। खसरा नं० 46/1, 6, 2, 10, 47, 5—6।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रंज, चण्डीगढ़

तारीख : 6-2-1975

होदर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं० सी० एच० डी०/168/74-76/—अतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़। आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिस सं० नं० 64-पी०, गली 'सी' सैक्टर 10-ए, नया नं० 71 क्षेत्रफल 518 वर्ग गज चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बेअन्त कौर, पत्नी श्री राम सिंह, गारहन कलौनी, आर० बी० दुनी चन्द रोड, अमृतसर। (अन्तरक)
2. (i) श्रीमती बिमला बती, पत्नी श्री हंस राज कटारिया (ii) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री हंस राज कटारिया कामरशियल बिल्डिंग नं० 2, बी माल, शिमला। (अन्तरिती)
3. श्रीमती कमल हजूरिया पत्नी स्वर्गवासी श्री प्रतीम सिंह हजूरिया मकान नं० 71 सैक्टर 10-ए, चण्डीगढ़। (नह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाइयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 71, सैक्टर 10-ए, जिसका क्षेत्र 518 वर्ग गज और प्लॉट नं० 64-पी०, गली 'सी' में बना हुआ है।

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 6 फरवरी 1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक, 6 फरवरी, 1975

निर्देश सं० एल० डी० एच०/सी०/407/74-75—अतः

मुझे, जी० पी० सिंह,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ कारा बाए, तहसील  
और जिला लुधियाना में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री भाग सिंह, पुत्र श्री हरी सिंह,  
निवासी तरफ कारा बारा,  
तहसील और जिला लुधियाना । (अन्तरक)
2. न्यू इन्डिया कालोनाईजर्ज,  
55 भादौड़ हाऊस लुधियाना,  
द्वारा श्री बाल कृष्ण । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है  
वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 7 कनाल 10 मरले जो कि तरफ कारा  
बारा, तहसील और जिला लुधियाना में स्थित है ।

खसरा नं० 13/25, 20/16,

खेवट नं० 1164/1265,

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5676 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता लुधियाना के दफ्तर में लिखा है ।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

दिनांक : 6 फरवरी 1975 ।

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक, 6 फरवरी, 1975

निर्देश सं० ए० जी० एच/सी/443/74-75/—अतः मुझे  
जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,  
चण्डीगढ़ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील  
और जिला लुधियाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1974।

को तारीख जुलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें  
भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का  
11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री भाग सिंह, पुत्र श्री हरी सिंह, (अन्तरक)  
निवासी तरफ कारा बारा,  
तहसील लुधियाना।
2. न्यू इन्डिया कालोनाईजर्स, (अन्तरिती)  
55 भादौड़ हाऊस लुधियाना,  
द्वारा श्री बाल कृष्ण

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

भूमि, क्षेत्रफल 7 कनाल, जोकि तरफ कारा बारा, तहसील  
और जिला लुधियाना

खेबट नं० : 1164/1265।

खसरा नं० : 20/15, 20/17/1,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विसूख नं० 6472 अक्तूबर 1974  
में सब रजिस्ट्रार लुधियाना के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 6 फरवरी 1975

निदेश सं ए एम एल० /4/74-75—यतः मुझे जी० पी० सिंह, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जमीन और फैक्टरी है तथा जो गांव मुगल माजरा, जी० टी० रोड, गोबिन्दगढ़, में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, अमलोह, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वचापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्षितों, अर्थात् :-

1. जै० अजीत स्टील रोलिंग मिल,

गोबिन्दगढ़,

द्वारा (1) श्री राम सिंह,

(2) श्री हरी सिंह,

पुत्रान श्री प्रताप सिंह,

(3) प्रीतम सिंह, पुत्र श्री राम सिंह,

(अन्तरक)

निवासी चोमोन, तहसील लुधियाना

2. सर्वश्री

(1) यश पाल पुत्र श्री पूरन चन्द जैन,

(2) सुदेश पाल पुत्र नागिन चन्द,

(3) दर्शन कुमार ओसवाल और

(4) सिरि पाल ओसवाल, पुत्रान रतन चन्द,

(5) श्रीमती नीलम कुमारी पत्नी

जन्गीलाल ओसवाल

(6) श्रीमती सुधा ओसवाल पत्नी नीलम कुमार

(7) बलदेव राज जैन पुत्र हीरा लाल जैन

(8) हरदवारी लाल पुत्र परमाती लाल

मार्फत श्री यश पाल ओसवाल बूलन मिल्ज (अन्तरिती)

मिलर गंज, लुधियाना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और फैक्टरी बिल्डिंग :- क्षेत्रफल 8 कनाल 7 मरले खाता नं० 86/107,

खेबट नं० 86, खतौनी नं० 107

पट्टी मलचा, गांव मुगल माजरा, जी० टी० रोड, गोबिन्दगढ़

उत्तर :- खेती की जमीन,

दक्षिण :- मेन रोड,

पूर्व :- ऊंची नीची जमीन,

पश्चिम :- डायमण्ड स्टील रोलिंग मिल,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 747, अगस्त 1974 में सब रजिस्ट्रार अमलोह के दफ्तर में लिखा है।)

जी० पी० सिंह

तारीख : 6-2-1975

मोहर :

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

प्रथम भाग टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 फरवरी 1975

निर्देश सं० 42-एम/एक्यू०—यतः मुझे, विश्वम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 198 है तथा जो ममफोर्ड गंज हाउसिंग स्कीम  
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 18-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए  
का, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रामेश्वर नाथ पुरदू

(अन्तरक)

2. कुमारी माधुरी

(अन्तरिती) ३

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 297 वर्ग गज है तथा  
जोकि ममफोर्ड गंज हाउसिंग स्कीम, इलाहाबाद में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, तारीख 3 फरवरी, 1975

निर्देश सं० 11-डी/अर्जन—यतः मुझे, विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 73 है तथा जो सराय ताल्लुक छतौना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहजहांपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1974

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पूर्णतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री करतार सिंह व अन्य (अन्तरक)

2. श्री दरशन सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 0.176 एकड़ है, जोकि मौजा सराय ताल्लुक छतौना, जिला शाहजहांपुर में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख :  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निदेश सं० 192/ए क्यू० 23-294/19-7/74-75  
—यतः, मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नोंध नं० 1300 ए० पैकी और नं० 1255-ए-1 पैकी टी० पी० एस० नं० 2, म्यु० नं० 1 है, तथा जो तिमलियाबाद नानपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—66G1/75

(1) श्री केकोबाद जमशेदजी आंरीया  
कोरभेद डोमाभाई बामजी  
वाई मेहरा—, जमशेदजी मानेकजी  
की कुलमुखतार  
फारोख जमशेदजी आंरीया की  
ओर से उसके कुल मुखतार;  
मानेकशा कुंवरजी दोर्दी । (अन्तरक)

(2) में० महेश्वरी कंस्ट्रक्शन कं० की  
ओर से उसके सहिधारी:—  
अजीतभाई नरसिंहभाई पटेल  
चिमनलाल नरसिंहभाई पटेल  
नरसिंहभाई गोविन्दजी पटेल (अन्तरिती)

(3) में० विष्णु लैन्ड कारपोरेशन की ओर  
से उसके सहिधारी :—  
अमृतलाल रामसिंह काट्रेक्टर  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में, अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन नोंध नं० 1300 ए० पैकी म्यु० वार्ड० नं० 2, टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 4-ए पैकी तथा नोंध नं० 1255-ए-1 पैकी (म्यु० वार्ड० नं० 1 में) जिसका कुल माप 582 वर्ग गज है और जो तिमलिया वार्ड, नानपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2744 और 2745 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निदेश सं० 193/ए० सी० क्यू० 23-350/19-7/74-75  
—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० नोंध नं० 1882 पैकी म्यु० वार्ड नं० 1 है, तथा जो गोधर्नवाड़ा, नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री रंजीतासह उमरावसिंह ठाकोर  
नानपुरा, गोधर्नवाड़ा, सूरत (अन्तरक)
- (2) मै० बिल्डको सर्विसिज, सूरत अपने सहियारी श्री नवीनचन्द्र, चिमनलाल द्वारा सलाबतपुरा, वालाभाई स्ट्रीट, सूरत | (अन्तरिती)
- (3) कंफर्मिंग पार्टी  
सुरेशचन्द्र शंकरसिंह ठाकोर  
चन्द्रसिंह शंकरसिंह ठाकोर  
गोधर्नवाड़ा नानपुरा, सूरत  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन, म्यु० नोंध नं० 1882 पैकी, म्यु० वार्ड नं० 1, जिसका कुल माप 666 वर्ग गज है और जो गोधर्नवाड़ा, नानपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के अगस्त 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2879 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 10 मार्च, 1975

निदेश सं० 194/ए० सी० न्यु० 23-311/7-4/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
बशर्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० म्यु० नं० 713-बी-1 सर्वे नं० 11 (1-2-3  
पैकी है, तथा जो नील कंठ नगर, जवेरी सड़क, नवसारी में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 27-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री धनसुखभाई भीखाभाई पटेल,  
नीलकंठ नगर, जवेरी सड़क, नवसारी (अन्तरक)
- (2) श्री कान्तीलाल गगलभाई शाह  
शादी बेज कान्तीलाल शाह  
हसमुख कान्तीलाल शाह  
रमेश कान्तीलाल शाह  
श्रीरेन्द्र कान्तीलाल शाह  
जितेन्द्र कान्तीलाल शाह }  
सगीर अपने वाली कान्तीलाल जी० शाह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान सहित अचल सम्पत्ति जो 'अवश्य' नाम से  
प्रसिद्ध है और जो म्यु० नं० 713-बी-1 और सर्वे नं० 11/1-2-3  
पैकी 2598 वर्ग फुट जो नीलकंठ नगर, जवेरी सड़क नवसारी  
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के अगस्त  
1974 में किए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1653 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 10-3-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च 1975

निदेश सं० 195/ए म्यु० 23-353/19-11/74-75

—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 1300 ए० पैकी और 1255-ए-1 पैकी म्यु० वार्ड नं० 1 है, तथा जो तिमलिया वार्ड, नानपुरा सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये सुकर बनाना ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) बाई मेहरा, जमशेदजी मानेकजी की  
कुल मुखतार,  
खोरशेद डोसाभाई बामजी,  
केकोबाद जमशेदजी आरिया  
फारोख जमशेदजी आरिया (अन्तरक)  
हाल—बम्बई ।

(2) श्री अजीतभाई नरसिंहभाई पटेल (अन्तरिती)  
चिमनलाल नरसिंहभाई पटेल  
नरसिंहभाई गोविन्दजी पटेल  
सूरत

(3) मै० विष्णु लेन्ड कारपोरेशन की ओर से  
उसके सहियारी अमृतलाल राम  
सिंगभाई कांटेक्टर  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंध नं० 1300-ए पैकी म्यु० वार्ड नं० 1, टी० पी० एस० नं० 2, एफ० पी० नं० 4 ए और म्यु० वार्ड नं० 1, नौध नं० 1255-ए-1 पैकी है जिसका कुल माप 278 वर्ग गज है तथा जो तिमलिया वार्ड, नानपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत द्वारा अगस्त 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2743 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च 1975

निदेश सं० 196/ए० सी० क्यु० 23-354/6-2/74-75—  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27, निर्माण कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी है, तथा जो अलकापुरी, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० उगराभाई जोईता राम पटेल (अन्तरक)  
मेडीकल आफिसर,  
सुदास्ना, ता० खेरालू

(2) श्री अंबालाल महीजीभाई पटेल (अन्तरिती)  
सुपरवाइजर, माही केनल प्रोजेक्ट,  
मोगरी, ता० आनन्द ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जमीन व मकान जो 27, निर्माण कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अलकापुरी, बड़ौदा में स्थित है । जमीन का माप 3828 वर्ग फुट और बांध काम 2400 वर्ग फुट है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के 29-8-1974 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3742 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 7 मार्च, 1975

निदेश नं० 197/ए० सी० क्यू० 23-355/6-2/74-75—

यतः मुझे पी० एन० मिस्तल

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 49/2 असमोदय कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी है तथा जो अलकापुरी बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, जब, उक्त अधिनियम की उक्त धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० चिमनलाल भाईलाल शाह (अन्तरक)  
13-ए डाक्टर्स क्वार्टर्स,  
न्यू सिविल हास्पिटल, मजुरा गेट,  
सूरत

(2) श्री नटवरलाल जे० जानी  
19-ए, बैंक आफ बड़ौदा आफिसर्स  
कालोनी,  
अजथा रोड, बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन नोंध नं० 49/2 जो असमोदय कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अलकापुरी बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल माप 4816-6 वर्ग फुट है जिसमें से पायेनक बांधकाम 267 वर्ग फुट का है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत अधिकारी बड़ौदा के 26-8-74 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3721 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 18-जी०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो मोधोपुर, बलिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलिया में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव पुजन व अन्य (अन्तरक)
2. श्री गोपी सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका रकबा 74.29 करोड़ एकड़ है जो कि मोधोपुर जिला बलिया में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 38 आर०/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० बी० 20/80 डी० है जो भेलू पुरा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती आभा रानी देवी व अन्य (अन्तरक)
2. श्री राम सूरत व अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक किता मकान जोकि मोहल्ला भेलूपुरा वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 37 आर०/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 279/38 है तथा जो कानपुर रोड़ पान दरीबा लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

6 | 66 GI/75

1. श्री बुर्गा प्रसाद धई

(अन्तरक)

2. श्री रन्जीत कौर व अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 10097 वर्ग फुट है।  
जो कि कानपुर रोड़ पान दरीबा—लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13 मार्च 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० 16-जे०/ए० सी० क्यू० (16-जे०) अर्जन/—  
यतः, मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० डी०-53/90-F-2 है, तथा जो नारायन नगर  
कालोनी लक्ष्मी वाराणसी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
16) के अधीन 29-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कुंवर अश्वजित नारायण सिंह व अश्वजित (मन्तव्यक)

2. श्री सत्यदेव जगत सिंह (अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 1800 वर्ग फुट है। जोकि  
नारायन नगर कालोनी सं० डी०-53/90-एफ०-2 मोहल्ला  
लक्ष्मी जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक: 13 मार्च 1975  
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० 5-टी०/ए० सी० क्यू०/(5-टी०/अर्जन)—

यतः, मुझे विश्वम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 35/1 बी० है तथा जो रामपुर गार्डन बरेली में स्थित है (आर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रविन्द्रा प्रताप सिंह . (अन्तरक)
2. आईडियल को० हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 35/1-बी० जिसमें चार फ्लैट हैं। जो कि रामपुर गार्डन में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 12 मार्च 1975  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 मार्च 1975

निवश सं० 54-एस०/ए० सी० न्यू० (54 एस०)/अर्जन—

अतः, मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 है तथा जो राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वोदय को० हाउसिंग सोसाइटी लि० (अन्तरक)
2. श्रीमती सरस्वती जिया राम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका रकबा 7200 वर्ग फीट है जो कि 9—राना प्रताप मार्ग लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12 मार्च 1975

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती हेमलता गुप्ता व अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. डा० अयोध्या प्रसाद वर्मा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

लखनऊ, दिनांक 13 मार्च 1975

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 37-ए०/एक्यू०—अतः मुझे विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 3 ब्लॉक A-1-35 है तथा जो सिविल  
लाइन रामपुर बाग बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-8-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 604 वर्ग गज है। जोकि  
मो० सिविल लाइन रामपुर बाग, बरेली में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

पावती (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

3. श्रीमती लक्ष्मी श्रीवास्तवा (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, तारीख 13 मार्च 75

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 10-एल०/ए०सी०क्यू० (10 एल०अर्जन)—अतः

मुझे विश्वम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० — है तथा जो अकबर पुरा बहराइच में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
22-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

## अनुसूची

एक कित्ता मकान जिसका रकबा 762.81 वर्ग मीटर है।  
जोकि अकबरपुरा बहराइच में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 13-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 129/74-75—यतः, मुझे, के० एस०  
बेंकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इगर्गे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 7-1-746 से 748 और 7-1-753/1 है, जो  
मार्केट स्ट्रीट, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन 12-8-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) मिर्जा असादुल्ला बेग सुपुत्र स्वर्गीय मिर्जा इब्राहीम  
बेग 1-6-797, मुणीराबाद, हैदराबाद।
- (2) श्रीमती बालकीम बानू पन्ती मुहम्मद गालिव,
- (3) अनीस बानू पन्ती सैयद ईसा,  
16-4-42 चंचल गूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. (1) जक्सानी लक्ष्मण राव सुपुत्र श्री रामचन्द्रय्या
- (2) „ पुष्पोत्तम सुपुत्र श्री रामचन्द्रय्या
- (3) „ श्री निवासुल सुपुत्र श्री रामचन्द्रय्या
- (4) „ कृष्णमूर्ति सुपुत्र रामचन्द्रय्या
- (5) जक्सानी वकटेश्वर राव सुपुत्र रामचन्द्रय्या

(अन्तरिती)

3 से 5 तक सैनर होने के कारण उनके पिता राम चन्द्रय्या  
गार्डियन सबके सब माटेडपल्लि सिकन्दराबाद के रहने वाले है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

छट का म्युनिसिपल नं० 7-1-746 से 748 तक और  
7-1-753/1, (ग्रोन्ड नं० 3930 और 3931) मार्केट स्ट्रीट,  
सिकन्दराबाद।

के० एस० बेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-3-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-1/अगस्त 74/182/74-75

यतः मुझे एच० एम० श्रीलख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन

सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० डी० एस० नं० 352 है, तथा जो नारायण पेठ पूना 30 में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-1 पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सदाशिव विष्णु भोमे 615 नारायण पेठ पूना, 30 (अन्तरक)

2. (1) श्री अनंत सखाराम रानाडे 50, नारायण पेठ, पूना-30

(2) श्री प्रभाकर दत्तात्रय भिडे, 941/1 शिवाजीनगर, सुदर्शन सहकारी गृह रचना संस्था, मर्यादित पूना-16

(3) श्री प्रभाकर गणेश कानितकर, 1544, सदाशिव पेठ, पूना-30

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

श्री होल्ड प्रापर्टी पूना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन कक्षा में क्षेत्रफल 136/2/9 स्केल० मीटर्स, सी० टी० एस० नं० 352 का पूर्व का हिस्सा नारायण पेठ पूना-30 जो निम्न प्रकार से स्थिति है :—

पूर्व की तरफ :—शेडगे विद्रल मंदिर

पश्चिम की तरफ :—सी० टी० एस० नं० 352 का बाकी भाग जो श्री प्रभाकर विश्वनाथ भोमे और इतरों को मिला है।

दक्षिण की तरफ :—लक्ष्मी रोड

उत्तर की तरफ :—विजय चित्र मंदिर की प्रापर्टी।

एच० एस० श्रीलख,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना,

दिनांक : 11-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज चार, बम्बई

बम्बई, दिनांक 21 फरवरी 1975

निर्देश सं० ए० पी० 205/आई० ए० सी०/5-आर०-

4/74-75—यतः सुके श्री ग० सी० राव०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 143/3/ए सर्वे नं० 143 है, जो अम्बीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-66-GI/75

1. श्री हरचुमल एच० 114, लोउगानी लॉल कानचंदानी बम्बई-52

(अन्तरक)

2. मसर्म एवर साईन बिन्डर्स 223, अरुण चैम्बर्स, तारदेव, बम्बई-34

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जो गांव अम्बीवली (अम्बोली के नाम से भी ज्ञात) रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई नगर और बम्बई उप नगर में स्थित है अधिकार के अभिलेखों में दिनांक 28 नवम्बर 1969 में एम० आर० नं० 2692 (II) के अन्तर्गत लिखित है माप में 3409 वर्गगज यानी कि 2850.35 वर्गमीटर या आसपास जिसका प्लॉट नं० 143/3 ए जो कि सर्वेक्षण नं० 143 का एक भाग है।

ग० सी० राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बम्बई-1

तारीख : 21-2-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी, 1975

निर्देश सं० 190/ए० सी० क्यू०-23-289/19-7/74-75  
यतः मुझे पी० एन० मिसल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
र० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 1936-ए पैकी क्यू० वाई नं० 2  
में स्थित है तथा जो क्षेत्रफल विस्तार संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है  
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन है तारीख  
16-8-74 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-  
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती आई नन्दी, जीनाभाइ भागभाइ की विधवा  
जेसीबेन भाईलाल भाई संग्रामपुरा, सूरत  
(अन्तरक)

2. मै० विस्को लेन्ड कार्पोरेशन, सूरत की ओर से उसके  
सहियारी विमलाबेन नानुभाइ देसाइ चम्पकलाल चुश्रीलाल जीनवाला  
नाराबेन रत्तीलाल यशवंतलाल रत्तीलाल  
(अन्तरिती)

3. (1) मै० सरदार कंस्ट्रक्शन कं० सूरत की ओर से  
उसके सहियारी मनोजकुमार जे० मेहता,  
रमेशकुमार जे० रंक भरत कुमार एन० ठकर

(2) श्रीसी लेन्ड कार्पोरेशन सूरत की ओर से उसके  
सहियारी रत्तीलाल छगनलाल अनोरवाला

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबल सम्पत्ति जिसका नोंध नं० 1936- पैकी क्यू वाई  
नं० 2 है जिसका कुल माप 250 वर्ग गज और 241-4 वर्ग  
गज अर्थात् कुल 491-4 वर्ग गज है और जो संग्रामपुरा, क्षेत्र-  
फल विस्तार सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
सूरत के अगस्त 1974 में किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
3016 और 3017 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिसल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 21-2-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री विजय शंकर वाघवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रिजवाना खान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

दिनांक 15 मार्च 1975

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 39 धारा०/ए०सी० न्यू०—अतः मुझे, बिशम्भर  
नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/-रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० बी-77 है तथा जो निराला नगर लखनऊ में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

तारीख 5-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

एक किता प्लाट जिसका रकबा 9600 वर्ग फुट है। जो कि  
निरालानगर जिला लखनऊ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रजन रेज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख : 15-3-75।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 14 मार्च 1975

निदेश सं० 29-के/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 35 है तथा जो सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :-

1. श्री नन्द किशोर

(अन्तरक)

2. श्री किशोरी लाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जमका नं० 35 है, जोकि सिकन्दराबाद जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

विशम्भरनाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख -- 14-3-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री हसन इमाम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. फर्म आटो सेल्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 14 मार्च 1975

निदेश सं० 38-ए/अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 100/1 है, तथा जो अलईपुर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-74 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लेट जिसका रकबा 6 बिसवा है, जोकि मौजा अलईपुर जिला बाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपाधि :-

तारीख : 14-3-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. शम्भूनाथ उर्फ शम्भू लाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
द्वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती लक्ष्मिन देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

दिनांक 14 मार्च, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० 11-एल/अर्जन—अतः मुझे, विशम्भर नाथ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं०—है तथा जो वाराणसी में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 9-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाधिरत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों;  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 800 वर्ग फुट है, जो कि  
वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 14-3-75।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 17 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी०/32/74-75—अतः मुझे के० एस०

वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 13/365-366, 367 बाय० वी० स्ट्रीट, है, जो  
कड़प्पा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़प्पा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 12-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सुब्बा लक्ष्मी पत्नी सी० आर० रामकृष्णा अय्यर  
जयनगर, कालोनी, चिन्ना चेरु, मोजा कड़प्पा, ।

(अन्तरक)

2. श्री पी० मोहम्मद अली पुत्र जीवन खान

प्रोप्राइटर भानू स्टुडियो, बाय० वी० स्ट्रीट, कड़प्पा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति :—सं० 13/365, 366, 367, बाय० वी०  
स्ट्रीट, कड़प्पा ।

के० एस० वेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 17-3-75 ।

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 131 74-75 यतः मुझे के० एस०  
बेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० घर का बाग नं० 5-1-482 से 484 है तथा जो जामबाग  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिर्यो  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

मतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) अर्थात् निम्नलिखित  
व्यक्तियों, धर्मात् :—

1. श्री अन्तरावू गंगकेडकर सुपुत्र नारायनराव गंगकेडकर  
नं० बी-7 ला कालेज के पीछे उसमानिया विश्वविद्यालय  
हैदराबाद (अन्तरक)
2. (1) बलराय मिन्हा सुपुत्र बालाधिसिंग अपरलधूपेट  
हैदराबाद ।  
(2) बनमिप्रासाद श्री वासतवा सुपुत्र किशन परशाद  
लोहर धूलपेट हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति घर का बाग और कुला जमीन नं० 5-1-482,  
483, 484 श्रामबाग के पास हैदराबाद वर्ग 302.29 वर्ग  
गारड ।

के० एस० बेंकटरामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 18-3-75 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 15 मार्च 1975

सं० 47 एम०/एसीक्यू०/47-एम)

यतः मुझे विशम्भर नाथ)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 21/39 है तथा जो जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

8-66GI/75

1. श्री मुहम्मद उमर खां

(अन्तरक)

2. श्री मुन्ना और अन्ना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-3-75।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० 40-आर०/ए० सी० क्यू० (40-आर०)

यतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 192 है तथा जो अलीम गज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री राधा गोविन्द चटर्जी

(अन्तरक)

2. श्री राम चन्द्रा गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला मकान जिसका रकबा 300 वर्ग गज है जो कि मोहल्ला अलीम गज जिला इलाहाबाद में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-3-75 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

दिनांक 15 मार्च 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० 11/814/74-75/9037  
यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० 2020, 202-ए है, जो किनारी बाजार दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सेठ किरोड़ीमल चैरिटी ट्रस्ट बाके रायगढ़ द्वारा (1) श्रीमती अशफ़ी देवी, धर्मपत्नी स्व० श्री किरोड़ीमल लुहारीवाला (2) श्रीमती इमरती देवी सोडो धर्मपत्नी स्व० श्री सेठ परशोत्तम दास सोडो (3) श्री रमेश कुमार सोडा पुत्र स्व० श्री परशोत्तम दास सोडो (4) श्री कालीचरण केशान पुत्र सेठ मदनलाल केशान (5) श्री राजाराम भिवानी वाला पुत्र सेठ बैजनाथ भिवानी निवासी 31 काटन स्ट्रीट, कलकत्ता । (अन्तरक)

2. मै० भारतिया ब्राह्मन् चैरिटेबल ट्रस्ट, 2187 जमुना बाजार दिल्ली इसके ट्रस्टी के द्वारा (1) श्री श्याम बिहारी सुपुत्र श्री मांगेलाल 1267 कूचा महाजामी चादनी चौक दिल्ली (3) श्री हजारी लाल सुपुत्र श्री किशोरी लाल 2187 जमुना बाजार दिल्ली । (अन्तरिती)

3. सूची किरायेदार

मकान म 2020 से 2024 तक हवेली खॉन किनारी बाजा दिल्ली

क्रम	नाम	पिता का नाम
1.	प्यारे लाल	प्रसादी लाल
2.	टीका राम	चेत राम
3.	राम लाल	टीका राम
4.	ब्रिजम्भर नाथ	छेदो लाल
5.	गोपी राम	माधोराम
6.	बाला प्रसाद	राम रतन
7.	प्रभा नंद	भोरे लाल

8.	राम चन्द	जीवन राम
9.	घासी राम	नानक राम
10.	राम चरण	गंगा राम
11.	मथुरा प्रसाद	हजारी लाल
12.	हनुमान प्रसाद	रमेश चन्द
13.	सां मर्म	चुन्नी लाल
14.	रामचन्द्र	छेदालाल
15.	छज्जु राम	कल्लू राम
16.	चन्द्रशेखर	नारायण सहाय
17.	चन्द्र शेखर	नारायण सहाय
18.	बुद्ध राम	चुन्नी राम
19.	गुलाब राय	गंगा राम
20.	मदन लाल	गंगा राम
21.	मदन लाल	गंगा राम
22.	राम प्रसाद	केवल राम
23.	तेजा सिंह	केवल राम
24.	भददा	पत्नी बलदेवा
25.	डाल चन्द	लाला राम
26.	मुकन्दी लाल	खुमानी राम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आशेष,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

भूमि का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 1250 वर्ग गज है तथा जो कि 2020 से 2024 हवेली खान, किनारी बाजार, दिल्ली में दुर्माजला बिल्डिंग के साथ स्थित है तथा इस बिल्डिंग में बिजली तथा पानी का कनेक्शन जुड़ा हुआ है । इसको सिमसए इस प्रकार है :

पूर्व : गली तथा दूसरी जायदाद का हिस्सा

पश्चिम : लाला भगवान साहास का मकान

उत्तर : गली तथा कुआं

दक्षिण : रामीरचपाल का मकान

सी० बी० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-1

तारीख: 15 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप भार्गवः टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1974

निदेश सं० ५५-एस०/ए सी क्यू०/७ :—यतः, मुझे  
बिगम्बर, नाथ,)

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
 धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
 और जिसकी स० सी० के० 8/28 है तथा जो गऊ मठ में स्थित  
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14 अगस्त  
 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
 की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
 यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
 है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
 के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
 लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
 कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से पूर्व किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः : अत्र, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन चन्द बाही (अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण धृत महेश्वरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसंधान

एक किता मकान जिसका रकबा 596 वर्ग फिट है। जो कि मो० गरुमठ जिला वाराणसी मे स्थित है।

विष्णुवर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, लखनऊ

तारीख : 17 अगस्त, 1974  
मोहर .



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० 54 एस०/अर्जन/ :—अतः, मुझे विश्वम्भर, नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 508 /5/ग है जो बोंस गज में स्थित है (और उस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सीता कौल, (अन्तरक)

2. सरदार सतनाम सिंह अरोरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ० अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जिसका रकबा 1800 वर्ग फुट है। जो कि बोंस गज, जिला लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 18 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निवेश सं० 41-आर०/अर्जन/ :—यतः, मुझे विश्वम्भर, नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13 और 14 है तथा जो ग्राम करनाडा जि० वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13 अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामुरत (अन्तरक)
2. श्रीमती राजेशवरी देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉटस नं० 13 और 14 जो कि 6035 वर्ग फिट हैं जो कि ग्राम करनाडा जिला वाराणसी में स्थित हैं ।

विश्वम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 17 मार्च, 1975 ।  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निदेश सं० 17-जे०/अर्जन/ :—अतः, मुझे, ब्रिजम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ——— है तथा जो जवाहर नगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मुगदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री गम लाल सूरी (अन्तरक)

2. श्री जसपाल मलिक (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मजिला जिसका रकबा 263 1/2 वर्ग गज पर बना है। जो कि सो० जवाहर नगर जिला भुरादाबाद में स्थित है।

ब्रिजम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 17 मार्च, 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च 1975

निदेश सं० एस० 91/आर-II/कल०/75-75 :—अतः,  
मुझे, आर० बी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो बेलवेडियर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेन्ट प्रेस नार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री महेन्द्र कुमार चौधरी व कपिल चौधरी 21, बलवेडियर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मैसर्स नांगदाला टी० कम्पनी लिमिटेड 4, फैंसली प्लेस, कलकत्ता (अन्तरिती)

3. बँचने वाला स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री ईश्वरी प्रसाद पोद्दार नाबालिग पुत्र श्री महावीर प्रसाद पोद्दार माता श्रीमती स्नेहलता देवी पोद्दार द्वारा (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हित-वद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कट्ठा 2 छटाक क्षेत्रफल की एक भूमि का एक टुकड़ा जो कि 21, बेलवेडियर रोड, कलकत्ता का एक हिस्सा है।

आर० बी० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II, कलकत्ता

तारीख 13 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० 90/आर०-II/कल०/74-75—

अतः, मुझे, आर० बी० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 21 है तथा जो बेलवेडियर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नमन्ट प्लेस, तार्थ कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14 अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—  
9—66GI/75

1. श्री महेन्द्र कुमार चौधुरी तथा कपिल चौधुरी 21, बेल-वेडियर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मैसर्स मोरांघाट टी कम्पनी लिमिटेड, 4, फैयर्ली प्लेस, कलकत्ता-1। (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी बेचने वाला स्वयं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्री मनोज कुमार पोद्दार } नाबालिग  
देवकी नन्दन पोद्दार }

पुत्र महावीर प्रसाद पोद्दार माता श्रीमती स्नेहलता देवी पोद्दार (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

28 कट्टा 15 छटांक 6 वर्ग फीट जमीन एक दो तल्ला मकान के साथ 21 नं० बेलवेडियर रोड, कलकत्ता में।

आर० बी० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, कलकत्ता  
54, रफीअहमद किबदाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 13 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च, 1975

निर्देश सं० 56 एस०/अर्जन/ :—अतः, मुझे विश्वम्बर नाथ,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० डी० 29/39 हाल डी०-33/37 है तथा जो खलिस पुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, तारीख 9 अगस्त, 1974 को,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कथलेश्वरी देवी (अन्तरक)
2. श्रीमती सवित्री देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

एक किला तीन मंजिला मकान नं० डी० 33/37 जिसका क्षेत्रफल 35'30" फीट है जो कि मोहल्ला खलिस पुरा जिला वाराणसी में स्थित है।

विश्वम्बर नाथ,  
सूक्ष्म प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17 मार्च, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1 327 (154)/1-1/  
74-75 :—यतः, मुझे जे० कथूरिया  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० एफ० पी० नं० 391, 392 सब प्लॉट नं० 7, हिस्सा  
नं० 7 बी०, टी०पी०एस० नं० 3 है, तथा जो चंगीसपुर, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 14 अगस्त, 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः जब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) महेन्द्र हरी लाल लोबेदी सी-6, ज्योति कालोनी,  
मीशन हस्तपताल के निकट, बड़ौदा । (अन्तरक)
- (2) (1) सुमन बेन अनिरुद्ध शेलत  
(2) योगेश अनिरुद्ध शेलत,  
(3) ज्योतिन्द्र अनिरुद्ध शेलत,  
महाराष्ट्र सोसाइटी एलिस ब्रीज, अहमदाबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान जो 300 वर्ग गज भूमि पर स्थित है और जिसका फाय-  
नल प्लॉट नं० 391, 392 सब प्लॉट नं० 7, हिस्सा नं० 7 ब  
टी० पी० स्कीम नं० 3 ए० और जो चंगीसपुर, अहमदाबाद  
स्थित है ।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद.

तारीख : 20 मार्च, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश नं० 302/ए० सी० क्यू० 23-351/6-2/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० डी० टीका नं० 1/10 सर्वे नं० 42/1,  
पैकी खुली जमीन 3660 वर्ग फुट है तथा जो फतेह गंज  
केम्प मेन रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री व्यंकटराव कृष्णाराव उपलप  
विठल राव कृष्णाराव उपलप  
सयाजीष्णाराव कुराव उपलप  
मधुकर राव कृष्णाराव उपलप  
'कमल कुंज', फतेह गंज, बड़ौदा-2 (अन्तरक)
2. मै० नवरंग एपार्टमेन्ट्स को-ऑपरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी लि०, फतेह गंज, बड़ौदा की ओर से उसके :—  
प्रमुख : श्री मोहमद हनीफ़ अब्दुल मजीद पटेल बड़ौदा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन डी० टीका नं० 1/10, सर्वे सं० नं० 42/1,  
जिसका कुल माप 3660 वर्ग फुट है और जो मेन रोड,  
फतेह गंज केम्प, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी बड़ौदा के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3455/8874  
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 19 मार्च 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० 204/ए० ए०-23-338/6-2/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सेलर और भू-मंजला 59-ए कुंज सोसाइटी है, जो अलकापुरी इलाका, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वृजगना देवी विठलनाथजी गोस्वामी 59-ए, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)

2. श्री राजन कुमार मनीभाई पटेल  
श्री अरविन्द भाई नाथाभाई पटेल, बड़ौदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति, जमीन, मकान का कुछ हिस्सा यानी सेलर और भू-मंजला जो 58-ए कुंज सोसाइटी, अलकापुरी विस्तार, बड़ौदा में स्थित है हित तथा हक सहित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3363/2-8-1974 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

दिनांक : 11 मार्च 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश नं० 205/ए० सी० यूपु० 23-338/6-2/74-75—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पहला माउ' गैरेज और जमीन सहित दो  
कमरे हैं तथा जो 59-ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी इलाका,  
बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 2 अगस्त 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती वृजंगना देवी विठलनाथजी गोस्वामी 59-  
ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)
2. श्री सनत कुमार मनीभाई पटेल  
श्री जशभाई लालभाई पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,  
बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

अश्वल सम्पत्ति, जमीन व मकान का कुछ भाग : पहला  
भाड़ा, गैरेज व साथ के दो कमरे पश्चिम की ओर, ज 59-  
ए०, कुंज सोसाइटी, अलकापुरी इलाका बड़ौदा में स्थित है,  
हित तथा हक सहित, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा  
के 2-8-1974 को किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3365  
में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 11 मार्च 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 मार्च 1975

निर्देश सं० 206/ए० सी० क्यू० 23-338/6-2/74-75—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० दूसरा और तीसरा भाड़ा, 59-ए० कुंज  
सोसायटी है तथा जो अलका पुरी इलाका बड़ौदा में स्थित है,  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
2 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या अन्य या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती वृजंगना देवी विठलनाथजी गोस्वामी 95-  
ए०, कुंज सोसायटी, अलकापुरी, बड़ौदा (अन्तरक)

2. श्री कनुभाई महीजीभाई पटेल  
श्री रावजीभाई भाईलाल भाई पटेल, बड़ौदा  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जो मकान का हिस्सा है यानी दूसरा और  
तीसरा मंजला जो 59-ए० कुंज सोसायटी, अलकापुरी,  
इलाका बड़ौदा में स्थित है वह हित और हक सहित, जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बड़ौदा के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०  
3364/2-8-1974 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 11 मार्च 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री बिन्ध्याचल प्रसाद गुप्ता (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती सुभाग देवी मेहरा व अन्य (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 मार्च 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० 58-एस०/अर्जन—यतः मुझे, बिशम्बर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 625 है तथा जो हबीबपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका रकबा 60' × 70' वर्ग फिट है। जो कि मोहल्ला हबीबपुरा जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 20 मार्च 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

1. श्री एस० चक्रवर्ती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती विवेणी देवी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 6-टी०/एक्यू०/6-टी०/अर्जन)---यतः, मुझे,

बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 25 है तथा जो जि० वाराणसी में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता प्लॉट जिसका नं० 25 है और उस का क्षेत्रफल 5,000 वर्ग फुट है। यह जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—66GI/75

दिनांक 17 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 39-ए०/एक्यू—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डब्ल्यू/डी०-7/15/1144/17 है तथा जो गुईन टेक (रोड) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एच० बी० इदनानी (अन्तरक)

2. श्री अब्दुल रणीद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक तीन मंजिला मकान जो कि 1594 वर्ग फुट में बना है। और यह गुईन टेक (रोड) लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ।

दिनांक 17 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 35-बी०/एक्यू०—अतः, मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 48/84 और 48/85 है तथा जो कुतुब शहीद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री पन्ता लाल गुप्ता अन्य (अन्तरक)

2. श्री बिसमिल्ला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका नं० 48/84 और 48/85 है। जो कि मोहल्ला कुतुब शहीद जिला वाराणसी में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

दिनांक 17 मार्च 1975।  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री राम लाल सूरी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री अशोक कुमार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:—

लखनऊ दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 40-ए०/एक्यू०—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० . . . . है तथा जो जवाहर नगर में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 3 अगस्त 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 263-1/2  
वर्ग गज है जो कि मोहल्ला जवाहर नगर जिला मुरादाबाद में  
स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस  
बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

विशम्भर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 17 मार्च 1975।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनांक 19 मार्च 1975।

निर्देश सं० अर्जन/133/देहरादून/74-75/3107—अतः मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 225 है तथा जो राजपुर रोड देहरादून में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जमीला रौस विधवा श्री जैम्स चरिस्टोफर रौस, 173, राजपुर रोड, देहरादून। (अन्तरक)

2. मैं दि तिब्बतन बोमिनस सेन्टर रजिस्टर्ड सोसाइटी अण्डर दि इण्डियन सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 290,, राजपुर रोड देहरादून।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

बनी हुई सभी सम्पत्ति में मुख्य कोठी, बाहर, घर, पेड़ खुली भूमि जिसकी माप 9 बीघा है जिसकी म्यूनिसिपल 225 राजपुर रोड, देहरादून में स्थित है और कि “किल्लारनेय नाम से प्रसिद्ध है जिसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000 में हुआ ।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 19 मार्च 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 17 मार्च 1975

निर्देश सं० 123/अर्जन/आगरा/74-75/3108—अतः, मुझे; वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5/41 है तथा जो टीला गज सिंह हींग की मण्डी आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7 अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कृष्ण कुमार सचदेवा सुपुत्र श्री मिलख राम सचदेवा, नि० 74, सूर्य नगर आगरा (अन्तरक)

2. श्री देवनदास सुपुत्र श्री धरम दास, नि० 32/97, छोटी हकीमी गली, कालामहल, आगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

टीला गजा सिंह हींग की मण्डी आगरा में स्थित मकान जिसका न० 5/41 है इसका हस्तान्तरण रु० 42,000 में किया गया है।

वाई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, कानपुर।

दिनांक. 17 मार्च 1975।  
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/227/कानपुर/74-75/3109—यतः, मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23 है तथा जो आनन्दपुरी 133/60 जुटी कानपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अगस्त 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी लिमिटेड, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री महावीर प्रसाद डालमिया, पुत्र श्री बृजलाल डालमिया, नि० 26/52, विग्रहाना रोड, कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आनन्दपुरी 133/60 जुही कानपुर में स्थित एक प्लॉट जिसका नं० 23 है तथा क्षेत्रफल 866' 66 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण रु० 51,999/60 में किया गया है।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 19 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/228/कानपुर/74-75/3110—यतः,  
मुझे, आई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 29 है तथा जो आनन्दपुर  
133/60 जुही कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वदेशी काटन मिल्स कम्पनी, लिमिटेड, जुही  
कानपुर। (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल केडिया पुत्र श्री स्वर्गीय श्री आर०  
एल० केडिया, नि० बी० 1, स्वदेशी काटन मिल्स बंगला  
जुही कानपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

आनन्दपुरी 133/66, जुही कानपुर में स्थित प्लॉट नं०  
29 जिसका क्षेत्रफल 866' 66 वर्ग गज है इसका हस्तान्तरण  
रु० 51,999/60 पैसा में किया गया है।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक 19 मार्च 1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 मार्च 1975

निर्देश सं० अर्जन/164/कानपुर/3111/74-75—अतः  
मुझे, वाई० खोखर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 120/572 है तथा जो नारायनपुरवा कानपुर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1/8/1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमल किशोर सेठ पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद सेठ 124/131,  
बोविन्द नगर कानपुर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मेहर चन्द कौर पत्नी श्री पूरनचन्द, श्रीमती जनक  
दुलारी पत्नी श्री श्रवणलाल, श्रीमती शकुन्तला रानी पत्नी श्री  
सत्य प्रकाश सभी निवासी 118/198, कौशलपुरी कानपुर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
निम्नित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति जिसका नं० 120/572 जो नारायन पुरवा  
कानपुर में स्थित है । इसका हस्तान्तरण रु० 1,00,000/- में  
किया गया है ।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, कानपुर ।

दिनांक : 18-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1975

निर्देश नं० 134/अर्जन/गाजियाबाद/3115/74-75—अतः मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 115 है तथा जो मौह० बालूपुरा रमतेराम रोड, गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री रामचन्द्र पुत्र श्री रमलदास और श्री धनश्याम दास पुत्र श्री वासनराम निवासीगण मौ० प्रेमपुरी गाजियाबाद

श्री पुजारी लाल पुत्र श्री पुष्पराम नि० मौ० मसरात पुरा गाजियाबाद जि० मेरठ

(अन्तरक)

2. श्री वरुण कुमार श्री राकेश कुमार पुत्रगण लाला रघुवन्श कुमार व श्रीमती प्रतिभारानी पत्नी श्री अरुण कुमार नि० 138 ता 140 राइट गंज, गाजियाबाद, जि० मेरठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला अहाता जिसका नगरपालिका नं० 115 जो मौहल्ला बालूपुरा रमतेराम रोड गाजियाबाद जि० मेरठ, मैसर्स गैलाराम ताराचन्द रमतेराम रोड गाजियाबाद जिसका क्षेत्रफल 510 वर्ग गज लगभग, जिसका हस्तान्तरण 95,000 रु० में किया गया है।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 21-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

2. श्रीमती शफिउनीसा पती यम-ये-गफार नं० 14-1-365  
आगापूरा हैदराबाद

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 136/74-75—यतः मुझे, के० एस०  
वेक्टरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकीसं० 14-1-365 आगापूरा है, जो हैदराबाद में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-  
रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. सैयद अमानुल हुसेनी पिता सैयद नयामतुला हुसेनी  
नं० 14-1-365 आगापूरा हैदराबाद

(अन्तरक)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति : घर सी० उय० बि० नं० 452/स्पेशल-ये यम  
सि-यम नं० 14-1-365 आगापूरा के पास हैदराबाद विस्ती नं०  
423. 54 वर्ग गज।के० एस० वेक्टरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 135/74-75—यतः मुझे के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/—र० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-11-254/1 बेगमपेट है, जो सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
5-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री अडगटला जनाधर्न राव  
(2) श्री ए० रवीन्द्र  
(3) श्री ए० देवानन्द  
(4) श्री ए० आनन्द नं० 37, कृष्णा नगर कालोनी  
प्रेन्डर वास्ट रोड सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती एस० के० शान्तामनी, 122, जीरा  
सिकन्दराबाद  
(2) मेसर्स बी० बी० रामन म्यानेजिंग पार्टनर श्री बी० बी०  
रामन द्वारा, 117, हैदराबस्ती, सिकन्दराबाद  
(3) श्री बी० बी० रामन  
(4) श्रीमती बी० सावित्री पत्नी श्री० सुन्दरम्  
(5) श्रीमती बी० सरस्वती पत्नी जे० लक्ष्मी नरसिम्हन,  
मेसर्स बी० बी० रामन एण्ड कम्पनी नं० 117, हैदर बस्ती,  
सिकन्दराबाद

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(अन्तरिती)

3. (1) मेसर्स एसोसिएटड सिमेंट कम्पनीज लिमिटेड  
सिकन्दराबाद

(2) मेसर्स मेचिल्लाएण्ड बारी लिमिटेड, सिकन्दराबाद  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुः मंजिला का पूरा मकान तीन गारेजों के साथ जो प्लॉट नं०  
35 पर बान्धा हुआ है जिसका क्षेत्रफल 837 वर्ग गज नं० 1-11-  
254/1 जो शान्तिनिवास, किलोसकर कालनी (मोतीलाल नगर)  
बेगमपेट, सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-456(157)/1-1/74-75  
—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 2-2 हिस्सा नं० 1 है, तथा जो वाडज,  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर  
बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कमाभाई कानाभाई भरवाड़ गाँव : ग्यासपुर, तालुका  
अहमदाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री केसरकुंज को-आपरेटिव हाऊसींग सोसायटी के  
ओर्गेनाइजर :—

(1) श्री जयंतिलाल मोतीलाल ठाकर, शीव शंकर सोसायटी,  
नारणपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री भंवरलाल जमनालाल शाह, कालीका माता की  
वाड़ी, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख म 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1115 वर्ग गज है और जो दो  
दस्तावेज नं० 9041 तथा 9186 द्वारा अन्तरित की गयी है जिसका  
पूर्ण विवरण निम्नलिखित है :—

दस्तावेज नं० 9041 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 1, (एरीया—  
557.50 वर्ग गज) और जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है।

दस्तावेज नं० 9086 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 1 (एरीया  
557.50 वर्ग गज) और जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-457(158)/1-1/74-  
75—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया  
है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 1 और 2, है, तथा जो  
वाडज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये सुकर बनना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों  
अर्थात् :—

1. श्री भगभाई करसनभाई भर वाड, गाँव ग्यासपुर, तालुका  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

2. श्री केसरकुंज को-आपरेटिव हाऊसींग सोसायटी के  
ओर्गेनाइजर :—

(1) श्री जयंतिलाल मोतीलाल ठाकर, शीव शंकर सोसायटी  
नारणपुरा, अहमदाबाद

(2) श्री भंवरलाल जमनालाल शाह, कालीका माता की  
वाड़ी, दिल्ली दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 1115-5 वर्ग गज है, और जो  
दो दस्तावेज नं० 9042, 9182 द्वारा अन्तरित की गयी है और  
जिसका पूर्ण विवरण निम्नलिखित है :—

दस्तावेज नं० 9042 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 2,  
(एरीया 558 वर्ग गज) और जो वाडज, अहमदाबाद में स्थित  
है।

दस्तावेज नं० 9182 :—सर्वे नं० 2-2, हिस्सा नं० 1,  
(एरीया 557.5 वर्ग गज) और जो वाडज, अहमदाबाद में  
स्थित है।

जे० कथूरिया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद।

दिनांक : 24-3-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी० 139/74-75—यतः मुझे, के० एस्०  
बेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1-2-410/1/4 गगनमहल है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-8-1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जनक लाल पुत्री कस्तूरीलाल रामनारायन  
5, गिडनी पार्क, पुना

(अन्तरक)

2. श्री मैसर्स खन्दारी कार्पोरेशन् 5-3-831 गोशामहल  
रोड, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, घर नं० 1-2-410/1/4 गगन महल को अपरेटीव डेवलपमेंट सोसायटी हैदराबाद

उत्तर :—30 फीट का रोड

दक्षिण :—घर नं० 1-2-410/ए०, और प्लॉट

पूरब :—श्रीमती मेथिली कृष्णस्वामी की घर

पचिम :—डाक्टर लीसा की घर

के० एस्० बेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद।

दिनांक : 25-3-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 134/74-75—  
यतः, मुझे, के० एस० वैन्कटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 17/272 है जो ट्रंक रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नेलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बुद्धम गुन्टा सुब्रमनयम पिता अनजनेयुल ट्रंक रोड, नेलूर

(अन्तरक)

2. श्री दुर्गसिद्धी बेकटामलयाद्री अवयसक पालक माता श्रीमती लक्ष्मीकानतम्मा पती मालकी कीन्डप्पा कावली नेलूर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—वार्ड नं० 17 डोर नं० 272 ट्रंक रोड के पास बी० आर० कालेट के पास नेलूर।

के० एस० वैन्कटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 137/74-75—यन: मुझे, के० एम०  
वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 17-1-197 सैदराबाद है, जो हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

12—66GI/75

1. श्री मोहमद हमदुला पिता स्वर्गीय हबिबुल्ला नूरका बजार  
के पास दिनवार जग वनाली हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. गजेला गैलप्पा पति ग्पीगग रेडी वेहरागवल गुडा तालुक  
ईस्ट हैदराबाद जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—म्युनिसिपल नं० 17-1-197 सैदराबाद (ईदिरा  
सेवा सदन) हैदराबाद विस्ती नं० 1920 वर्ग गज।

के० एम० वेकटरामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 24-3-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

सं० आर० ए० सी० 141/74-75—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह कि बास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5-4-17 मुरलीधरबाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) सय्यद शाह रहीम खादरी
- (2) वजीरा बेगम
- (3) हुसेनी बेगम
- (4) शहीदा बेगम
- (5) परवरीशुन्निसा बेगम

फरबन बाड़ी मुरलीधरबाग हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्ताबाई पत्नी गम अबतार 21-7-868, गांधी बाजार, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1914 (नया नं० 5-4-17) का पुराना घर का भाग जो फरबन बाड़ी, मुरलीधर बाग, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक : 25-3-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च, 1975

सं० आर० ए० सी० 142/74-75—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० 5-4-18 मुरलीधरबाग है, जो हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
23-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री सय्यद शाह रहीम खादरी,  
(2) श्रीमती बजीरा बेगम  
(3) ,, हुसेनी बेगम  
(4) ,, शाहीदा बेगम  
(5) ,, फखरीशुशिसा बेगम फरमन बाबड़ी  
मुरलीधरबाग हैदराबाद

(अन्तरक)

2. (1) गनेश पशति  
(2) जगदीश परशाद  
(3) महावीर परशाद, देवड़ी माम जमीला हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बख्त में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-4-18 फरमन बाबड़ी मुरलीधरबाग हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक 25-3-1975।

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर (प्रायुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 25 मार्च 1975

स० आर० ए० सी० 140/74-75—यतः मुखे, के० एस०  
वेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे न० 187 कुतुबुल्लापुर है, जो हैदराबाद में स्थित है) और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1974

इसको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मैसर्स एन्डोसीन इंजीनीयर्स प्राइवेट लिमिटेड, मैनेजिंग डायरेक्टर, जे० जे० भागीया द्वारा, रोड नं० 14, बजारा हिल्स, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स हिन्दुस्तान मोनारक प्राइवेट लिमिटेड डायरेक्टर एस० सी० जैन द्वारा ए०-2, इन्डस्ट्रियल स्टेट, सनत नगर, हैदराबाद-18

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे न० 187, कुतुबुल्लापुर मोजे, मेडचल तालूका हैदराबाद, क्षेत्रफल 7 एकर्स 18 गुंटास ।

के० एस० वेकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, हैदराबाद ।

दिनांक : 25-3-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देशनं० ए० एस० आर०/ए० पी०-1/ए० बी० आर/75-76  
—यतः मुझे बी० आर० गगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० धरती है तथा जो तिब्बती साहब रोड मुक्तसर में  
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
यह कि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राजेन्द्र कुमार सपुत्र श्री बुद्ध राम सपुत्र श्री जय दयाल  
मुक्तसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता अहजा पत्नी श्री शशीकान्त अहजा  
हिस्मेदार मैसर्स मुख्ख राज मदन मोहन मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1843 अगस्त 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

बी० आर० गगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश न० ए० एस० आर०/ए० पी०-2/75-76—यतः  
मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/2 कोठी है तथा जो मजीठा रोड, अमृतसर में  
स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री गुरमीत कौर पत्नी गुरदियाल सिंह 30, सरकुलर रोड,  
अमृतसर ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रोमिला प्राभाकर पत्नी श्री सुदेश कुमार ई० आर०  
211 पक्का बाग, जालन्धर शहर ।

.(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 कोठी गोबिन्द सिंह नगर कलोनी में तुंगनाला सबअरबन,  
मजीठा रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5576  
अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में  
लिखा है ।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर ।

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/ए० पी०-3/75-76—यतः  
मुझे, वी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 1/2 कोठी जो तुन्गबाला है तथा जो अमृतसर  
(मजीठा रोड) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
(तहसील) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, अगस्त 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरमीत कौर पत्नी गुरदयाल सिंह 30 सरकुलर  
रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमिला प्रभाकर पत्नी श्री सुदेश कुमार ई० आर०  
211, पक्का बाग जालन्धर शहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कोठी गोविन्द सिंह नगर कालोनी तुन्गबाला मजीठा  
रोड में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5705 महीना अगस्त  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10-4-1975

मोहर :

प्राच्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/ए० पी०-4/75-76---यतः

मुझे बी० आर सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 43 है तथा जो आर० बी० प्रकाशचन्द रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरीन्द्र चन्द मेहरा पुत्र श्री लाभ चन्द मेहरा माल रोड, अमृतसर द्वारा श्री ललित चन्द मेहरा अटारनी

(अन्तरक)

2. श्री बनवारी लाल पुत्र शोरी लाल कटडा अहलवालीया, अमृतसर

3. जैसा कि न० 2 पर है

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 43 आर० बी० प्रकाश चन्द रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1864 अगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर

दिनांक: 10-4-1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० ए०एस० आर०/2 आर० ए०/ए० पी०-5/75-76  
—यतः मुझे, वी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव धर्म सिंह वाला में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोरा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
13-66GI/75

1. श्री सेवा सिंह पुत्र श्री अछर सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह  
निवासी धर्म सिंह वाला

(अन्तरक)

2. श्री मलकीत सिंह, दलजीत सिंह पुत्र अचतार सिंह पुत्र  
नथा सिंहा निवासी लन्डे का तहसील मोगा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2895 अगस्त, 1974  
का रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जोरा में लिखा है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 10-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० ए० एस० आर०/एम० एल० टी०/ए० पी०-6/  
75-76—यतः मुझे बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो पट्टी वाला फटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बलबन सिंह पुत्र गुलजार सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी गांव दौलत पुरा तहसील और जिला श्री गंगा नगर (अन्तरक)

2. श्री जसवीन्द्र सिंह सुखजीत सिंह, गुरजीत सिंह पुत्रगण करम सिंह पपीन्द्र सिंह पुत्रगण गुरमिन्द्र सिंह पुत्र करम सिंह निवासी गांव पट्टीवाला फटा तहसील मुक्तसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1575 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975।

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० ए एस आर०/एम एल टी०/ए०पी०-7/75-76--  
यतः मुझे, वी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो पन्नीवाला फटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दारा सिंह पुत्र हीरा सिंह पुत्र भोला सिंह गांव दौलतपुरा तहसील और जिला श्री गंगा नगर

(अन्तरक)

2. श्री जसवीन्दर सिंह सुखजीत गुरमीत सिंह पुत्रान करम सिंह पुत्र तथा सिंह रफीन्दर सिंह पुपिन्द्र सिंह पुत्रान गुरमीन्द्र सिंह पुत्र करम सिंह निवासी गांव पन्नी वाला फय तहसील मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1573 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

(वी० आर० सगर),

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 10-4-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर० एम० एल० टी० / ए० पी०-8/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो पत्नीवाला फटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अंतः : श्रव 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जरनैल सिंह पुत्र दूला सिंह पुत्र बेहला सिंह गांव दौलत पुरा तहसील और जिला श्री गगनगर

(अन्तरक)

2. श्री जसवीन्दर सिंह सुखजीत सिंह गुरमीत सिंह पुत्रान श्री करम सिंह पुत्र तथा सिंह, रनपीन्दर सिंह, पपीन्दर सिंह पुत्रान गुपीन्दर सिंह पुत्र करम सिंह निवासी पत्नी वाला फटा तहसील मुक्तसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 157 अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

वी० आर० सगर,

(सक्षम अधिकारी),

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, अमृतसर।

दिनांक 10-4-1975।

मोहर.



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10-4-75

निर्देश नं० अमृतसर ए० एस० आर०/पी एच जी ए पी-9/75-76—यतः मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो खलवाड़ा रोड़ फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मनोहर लाल सपुत्र सन्त लाल मार्फत कलकत्ता मैटिंग हाऊस लोहा मण्डी रोड़ फगवाड़ा (अन्तरक)
- (2) श्री देव सिंह, हरबन्स सिंह सपुत्रान साधु सिंह सपुत्र दसौन्धा सिंह बाम्नी गांव मानिक तह० फगवाड़ा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में दयापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1095 अगस्त, 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

बी० आर० सगर  
सक्षम अधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 10-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० अर्जन रेंज-IV,  
 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19-4-75

निर्देश सं० ए० सि० 213 / आर०-IV/कल० /75-76—

अतः मुझे, एस० बट्टाचार्या

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 5 है तथा जो कनीं स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता' अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, 'रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री सरजित मित्र और रतनजित मित्र (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बिमला देवी पोदवार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अविभाजित  $\frac{1}{8}$  हिस्सा प्रमिसेस सं० 8 कनीं स्ट्रीट, कलकत्ता 10 कट्टा 6 छटांक 3 स्कीयर फिट जमीन और मकान।

(एस० बट्टाचार्या)  
 सक्षम अधिकारी  
 (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता,  
 54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,  
 कलकत्ता - 16

तारीख : 19-4-75।  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० ए० सि० अर्जन रेंज-IV

कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए० सि० 214/आर-IV/कल० / 75-76—

यतः मुझे, एस० भट्टाचार्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 है तथा जो कनी स्ट्रीट, कल० में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 1-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शान्तिमिता मित्र (अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला देवी पोद्दार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अविभाजित हिस्सा, 1/8 कनी स्ट्रीट कलकत्ता, 10 क०  
6 छ० 3 स्क० फिट जमीन और मकान।

(एस० भट्टाचार्या),  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-IV,  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 19-4-75।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5 / अगस्त/74/ हवेली-II  
पूना / 192/75-76 — यतः मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्थी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सि० सं० क्र० 613-ब है तथा जो नाना  
पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना)  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) (i) श्री सरदार सोरबजी रतनजी पटेल ट्रस्ट फंड  
मैंने जिग ट्रस्टी सरदार दस्तूर होरम झायर  
नोशेखान दस्तूर 613 नाना पेठ, पूना 2

(ii) श्री जयंतीलाल वापूलाळ गहा आय प्लेट  
नं० 180, आदीनाथ सोसायटी, सरदार रोड,  
पूना-9 (अन्तरक)

(2) श्री कमलेश को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
चेअरमैन श्री सुभाष चन्द्र दिनानाथ सलहोवा  
613-ब नाना पेठ, पूना-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

श्री होल्ड-खुली जगह सि० सं० क्र० 613-ब, नाना  
पेठ, पूना-क्र० 2 क्षेत्रफल-6908.2 वर्गफीट।

(एस० पी० कृष्णमूर्थी),  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 21-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

(1) गंगादीन साउ पिता मन-सिउ प्रसाद साउ 31,  
संस आर० दास रोड, कल० -26 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आई० एस० सि० रेंज II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16-4-75

निर्देश सं० ए० सि० 1/आर०-II/कल०/75-76  
अतः मुझे, एस० एस० इमामदार आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे, इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 23 ए/753 है तथा जो डयमण्ड ड्राखार  
रोड, कलकत्ता-53 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार अलिपुर सदर 24-परगनास में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 23-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

14-66GI 75

(1) श्री महाराज कृपान चावरा, सन अब श्री बिहारी लाल  
चावरा (2) श्रीमती शान्ति देवी, स्वामी महाराज कृपान  
चावरा, दानो-154, ककुल बगिचा रोड, पि० एस० भवानि-  
पुर, कल०-26 में रहते हैं।

(3) वस्तु (वह व्यक्ति, अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी  
आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

फैल्ट नं० 753, ब्लक "पि०" निउ अलिपुर . मिउनिसि-  
पाल प्रेमिसेस नं० 23 ए० / 753 डयमण्ड हारवार रोड  
पि० एस० निउ अलिपुर कलकत्ता - 53 कि पश्चिम तरफ  
चिन्हित 4.03 कट्टा जमिन है।

(एस० एस० इमामदार)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 16-4-75।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 अप्रैल, 75

निर्देश सं० सि० आर० 62 / 2884 / 74-75—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 2 ए—2बी है, जो क्रैसेन्ट रोड, हार्ड  
ग्राउन्ड्स, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गांधी नगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 2323/  
74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 26-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हेच० वेन्कटस्वामप्पा 160, कन्ननपेट मेन  
रोड, बंगलूर-2 (अन्तरक)
2. होटल, बंगलूर इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड,  
2 ए, 2 बी, क्रैसेन्ट रोड हार्ड ग्राउन्ड्स बंगलूर-  
मनेजिन्ग डायरेक्टर अमर कुला द्वारा (अन्तरिती)
3. (1) होटल त्रिन्दावन, 2 ए/2 बी, क्रैसेन्ट रोड,  
हार्ड ग्राउन्ड्स, बंगलूर  
(2) होटल, बंगलूर इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड  
2 ए, 2 बी, क्रैसेन्ट रोड, बंगलूर-1  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कर्नाटक स्टेट फाइनेशियल कारपोरेशन, बंगलूर,  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
आयकर अधिनियम 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 2 ए, 2 बी, क्रैसेन्ट रोड, हार्ड  
ग्राउन्ड्स बंगलूर सिटी।

सीमा :—

उत्तर: क्रैसेन्ट रोड

दक्षिण : दूसरों की सम्पत्ति

पूर्व: खुली जगह दूसरों की

पश्चिम : दूसरों का कारनर प्लाट

उत्तर-दक्षिण-108' 6" पूर्व की ओर

149' 6" पश्चिम की ओर

पूर्व पश्चिम 107' उत्तर की ओर 186' 6" दक्षिण की ओर  
दस्तावेज नं० 2323/74-75 ता० 26-8-74।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 23-4-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 फरवरी 1975

निदेश सं० 1343/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० प्लॉट सं० 1 सी, आर० एस० सं० 1553/1,  
मुरेस घेट रोड, तेनाम्पेट, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
मैलापुर, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एम० तिरुनाउक्करसु मद्रास (अन्तरक)

(2) कुमारी लता सेतुपति मद्रास-28 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-18, तेनाम्पेट, मुरेस घेट रोड, प्लॉट सं० एक-सी में  
दो प्राउण्ड और 2371 स्क्वियर फीट का खाली भूमि (जिसका  
आर० एस० सं० 1553/1) है

ए० रागवेन्द्र राव  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, मद्रास,

तारीख 26-2-75  
मोहर :

## SUPREME COURT OF INDIA

(ADMN. BRANCH I)

New Delhi, the 31st March 1975

No. F. 6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar as officiating Deputy Registrar with effect from 1st April, 1975, until further orders.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to appoint Shri A.S.V. Raghavan, Court Master, as officiating Assistant Registrar with effect from 1st April, 1975, until further orders *vice* Shri R. Subba Rao, Assistant Registrar.

The 8th April 1975

Subject :—Summer Vacation—1975

No. F. 44/75-SCA(G).—In pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday, the 5th May, 1975 to Sunday, the 13th July, 1975 (both days inclusive) and will re-open on Monday, the 14th July 1975.

Under Rule 6, of Order II of the aforesaid Rules, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint the Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati and the Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above rules may be heard by a Judge sitting singly, during the periods shown against their names below :—

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati from 5th May to 8th June 1975 (both days inclusive).

The Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer from 9th June to 13th July, 1975 (both days inclusive)

The Hon'ble Mr. Justice P. N. Bhagwati will sit in the Court on Tuesdays, the 20th May and 3rd June 1975 and the Hon'ble Mr. Justice V. R. Krishna Iyer on Tuesdays the 17th June and 1st July 1975. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

During Summer Vacation the Offices of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will, however, remain open on Saturday, the 12th July, 1975 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No. complaints, appeals, petitions or other documents except those which are of an urgent nature will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties, however, the Registry will receive all complaints, appeals, petitions and other documents from 7th July 1975 onwards during office hours.

S. K. GUPTA,  
Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 17th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the service, vide this office Notification No. A.3203/1/75-Admn. I dated 24th January, 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

2. On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 28th February, 1975.

The 29th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri A. N. Sinha, an officer of the Indian Revenue Service working as Under Secretary in the Union Public Service Commission is appointed to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission from 1-3-1975 until further orders.

The 31st March 1975

No. A.35017/1/73-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification No. A. 35017/1/71-Admn.II dated 24-3-1972, Shri A. K. Munshi S.A.S. Accountant of the Office of the A.G.C.R., is appointed to officiate, on deputation basis, as Accounts Officer—a gazetted Class II post in General Central Service in the Office of the Union Public Service Commission for a further period of one year with effect from 13-3-1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 15th April 1975

No. P/282-Admn.I.—On his appointment as Internal Financial Advisor (Deputy Secretary) in the Department of Cabinet Affairs, Shri R. K. G. Rau, a permanent officer of Grade I of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 15th April, 1975.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secretary,

Union Public Service Commission

New Delhi, the 4th April 1975

No. A. 12019/5/74-Admn.II.—In continuation of the Union Public Service Commission's Notification of even number dated 15-2-1975, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to continue to officiate on an *ad-hoc* basis, as Junior Analyst in the Commission's office for a further period of 3 months with effect from 1-3-1975 to 31-5-1975, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

Shri Chhabra will continue to be on deputation to an *ex-cadre* post of Junior Analyst and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F. 10(24)-E.III dated the 4th May, 1961, as amended from time to time.

No. P/1837-Admn.I.—Dr. V. S. Misra, formerly Reader, Education Department, Allahabad University has been appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from 15-3-75 to 31-5-75 (both days inclusive).

No. P/1765-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even number dated 22-8-74, Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Director General of Posts and Telegraphs, New Delhi has been allowed to continue to officiate as Research Officer, on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 1-3-75 to 31-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. P/1763-Admn.II.—In continuation of Union Public Service Commission's Notification of even number dated 16-8-74, Shri C. B. Mathur, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of the Ministry of Works, Housing and Urban Development has been allowed to continue to officiate as



Research Officer on deputation basis, in the office of the Union Public Service Commission for a period from 1-3-75 to 31-12-75 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secretary,

for Chairman,

Union Public Service Commission

New Delhi-11011, the 19th March 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. R. Ahir, a Permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for the period from 3-3-75 to 27-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 1st April 1975

No. A. 12025(ii)/2/74-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & A.R.) O.M. No. 65/17/74-CS(II) dated 2-11-1974, read with the Department's O.M. No. 5/11/74-CS(II) Vol. III dated 13-2-1975, the President is pleased to appoint Shri P. Lalchand Navani, an Assistant of the C.S.S. cadre of Ministry of Finance nominated for inclusion in the Select List of the Section Officer's Grade for the year 1974 from the 'Length of Service' Category, to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st March, 1975 until further orders.

No. A.32014/2/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint, under proviso to rule 10 of the C.S.S. Rules, 1962, Shri M. A. Ganapathy Ram, a permanent officer of the selection grade of the Central Secretariat Stenographers' Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission for a period of one year from 1st March, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secretary,

(Incharge of Administration),

Union Public Service Commission

#### CABINET SECRETARIAT

##### DEPTT. OF PERSONNEL & ADM. REFORMS

New Delhi-1, the 4th April 1975

No. A/22013/2/75-AD.V.—The Director, C.B.I. and I.C.P., S.P.E. hereby appoints the following Inspectors of Police/CBI as Deputy Superintendents of Police in the CBI/SPE with effect from the date given below against each officer until further order :—

Sl No., Name, Date of Promotion

1. Shri G. D. Mahanta—19-3-75 (F.N.)
2. Shri M. Thiagarajan—17-3-75 (F.N.)
3. Shri D. M. Rao—19-3-75 (F.N.)

The 7th April 1975

No. A-19021/4/75-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri R. K. Gupta, I P S. (1969 Tamil Nadu) as Superintendent of Police in the C.B.I./S.P.E. with effect from the afternoon of 15th March, 1975, until further orders.

The 8th April

No. A-19020/2/75-AD.V.—The President is pleased to appoint the following I.P.S. officers on deputation to CBI/SPE to officiate as Deputy Inspector General of Police, C.B.I.,

S.P.E. in a temporary capacity with effect from the afternoon of 1-4-75 until further orders :—

1. Shri V. Pandeya, IPS (Bihar 1957).

2. Shri V. Rajpal, IPS (Madhya Pradesh 1957)

The 11th April 1975

No. M-4/72-AD.V.—The services of Shri M. H. Khan Dy. S.P. C.B.I./Ranchi are placed back at the disposal of Bihar State Police w.e.f. 31-3-75 (A/N).

Shri M. H. Khan relinquished charge of his office of Dy. Superintendent of Police in the office of the SP/CBI/Ranchi on 31-3-75 (A/N).

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

The 14th April 1975

F. No. 4/19/74-AD.V.—The Director, C.B.I. and Inspector General of Police, SPE hereby appoints Shri Rai Mohinder Singh Brar as Dy. S.P. in the CBI/SPE New Delhi with effect from 28-2-75 FN, in a temporary capacity until further orders.

The 15th April 1975

No. A/22013/2/75-AD.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P./S.P.E. hereby appoints Shri R. D. Pandey, Inspector of Police, C.B.I. S.I.U., New Delhi as Deputy Supdts. of Police in the CBI/SPE with effect from 29-3-1975 (FN) until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E),  
C.B.I.

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st March 1975

No. 2/20/74-Admn.—Consequent on his selection for appointment as Commissioner (Industrial Cooperatives) in the Department of Industrial Development, Shri A. K. Ray, I.A.S. (Orissa 1956) Commissioner for Departmental Enquiries, Central Vigilance Commission, relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 17th March, 1975.

B. V. DIGHE,  
Under Secretary (Admn.)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

##### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 31st March 1975

No. O.II-959/74-Estt (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Vundru Gangadhara Rao as Junior Medical Officer in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 19th September 1974.

2. Dr. V. Gangadhara Rao, was posted to 2nd Base Hospital, C.R.P.F., Avadi (now shifted to Hyderabad).

The 4th April 1975

No. O.II-1001/75-Estt (CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Pratap Kumar Pradhan as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 13th February 1975.

2. Dr. P. K. Pradhan is posted to Group Centre, C.R.P.F., Poona.

The 5th April 1975

No. O.II-988/75-Estt. (CRPF).—The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr. Tareque Ahamed

as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the afternoon of 28th February 1975.

2. Dr. Tareque Ahamed is posted to Group Centre, C.R.P.F., Trivandrum.

No. O.II-999/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. Narayan Mishra as J.M.O. in the CRP Force, on an ad-hoc basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 14th February 1975.

2. Dr. Narayan Mishra is posted to Base Hospital, C.R.P.F., New Delhi.

The 10th April 1975

No. O.II-990/74-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Surendra M. N. relinquished charge of the post of JMO 23rd Bn CRPF on the forenoon of 17th March, 1975.

S. N. MATHUR,  
Assistant Director (Adm.)

#### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 20th March 1975

No. E-16014(1)/2/74-Ad.I.—On transfer from Bihar State Police, Shri Arun Chandra Roy, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, International Air Port, Calcutta with effect from the Forenoon or 1/1th February, 1975 vice Shri A. B. Chaudhuri, who on repatriation to his parent State (West Bengal) handed over the charge of the above mentioned post with effect from the forenoon of the same date viz. 17-2-75.

No. E-32015(1)/10/73-Ad.I.—Lt. Col. H. S. Bedi Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Fertilizer Corporation of India Limited, Nangal, relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 20th March, 1975, since he is due to complete his present terms of re-employment in the Central Industrial Security Force on the Afternoon of 2nd April, 1975 and granted 14 days Earned leave with effect from 20th March, 1975 to 2nd April, 1975 (Afternoon).

The 4th April 1975

No. E-38013(2)/12/74-Ad.I.—Shri D. V. Behl, Commandant 8th Battalion, Central Industrial Security Force, Delhi, relinquished the charge of the post with effect from the Forenoon of 1st March, 1975 and assumed the charge of the post of Group Commandant, Central Industrial Security Force, Delhi with effect from the forenoon of the same date.

The 5th April 1975

No. E-16014(1)/1/73-Ad.I.—On repatriation to Manipur Police Service on the expiry of his present term of deputation, in Central Industrial Security Force, Shri I. C. Singh relinquished the charge of the post of Commandant Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela, with effect from the afternoon of 10th March, 1975.

L. S. BISHT, Inspector General

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA,

New Delhi-110011, the 31st March 1975

No. 25/19/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/19/74-RG(Ad.I) dated 16th May 1974, the President is pleased to continue the appointment of Shri V. Venugopal Rao, special grade Deputy Collector in the Government of Andhra Pradesh as Deputy Director of Census Operations, Andhra Pradesh in a temporary capacity for a further period of one year with effect from the afternoon of the 14th March 1975.

The 1st April 1975

No. 25/6/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/6/74-RG(Ad.I), dated 12 July, 1974, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri R. C. Kathuria as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India with effect from 1 March, 1975 upto 31 December, 1975 or until further orders, whichever is earlier.

The 5th April 1975

No. 25/12/74-RG(Ad.I).—Consequent on the completion of his term of extension, Shri A. K. Bhattacharyya relinquished charge of the post of Director of Census Operations, Tripura on the afternoon of 31 March 1975.

BADRINATH, Dy. Registrar General,  
India and ex-officio Dy. Secy.

#### MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS, NASIK ROAD

Nasik, the 18th March 1975

No. 3595/(A).—The undersigned hereby appoints the following permanent Inspectors Control, India Security Press, Nasik Road (Class III Non-Gazetted) as Deputy Control Officers (Class II Gazetted posts) in India Security Press in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 purely on an ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

1. Shri D. M. Patki.
2. Shri V. Srinivasan.
3. Shri A. J. Mauskar.
4. Shri B. M. Mandal.

No. 3596/(A).—The undersigned hereby appoints Shri D. P. Jambolkar a permanent Store Keeper (Class III non-gazetted) Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Stamp Supply Officer, (Class II Gazetted post) in the Central Stamp Store in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis which-ever is earlier.

The 29th March 1975

No. 3650/(A).—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted), Currency Note Press, Nasik Road, as Deputy Control Officers (Class II Gazetted Post) in Currency Note Press, in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis for a period of 6 months with effect from the forenoon of 17th March, 1975 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

1. Shri F. H. Kolhapurwala
2. Shri S. V. Chandwadkar
3. Shri H. K. Shejwal
4. Shri N. C. Sengupta
5. Shri B. S. Patil
6. Shri V. Y. Deshpande.
7. Shri J. C. Lodh.

Shri N. C. Sengupta who is on deputation to Bank Note Press, Dewas has been given proforma promotion.

It is certified that the post held by Shri Sengupta in Bank Note Press, Dewas is outside the ordinary line of his Service and that all the conditions precedent to the grant of benefit under "Next below rule" are fulfilled in his case.

V. J. JOSHI, Gnl. Manager

## INDIA GOVERNMENT MINT

Hyderabad-500004, the 1st April 1975

No. I-182/75/II/1.—On the recommendation of the Union Public Service Commission and as per the Ministry of Health and Family Planning (Department of Health) letter No. A. 12025/130/75-CHS.II, dated the 13th February, 1975, the Master of the Mint, Hyderabad is pleased to appoint Dr. T. K. Gopala Rao, in a temporary capacity in the post of Junior Medical Officer with effect from 8-3-1975 and until further orders.

P. M. RAU,  
Master of the Mint

## BANK NOTE PRESS

Dewas, the 29th March 1975

No. BNP/E/Spl/27.—The officiating appointment of Shri R. A. Misra, Section Officer in the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs as Junior Administrative Officer, Bank Note Press, Dewas is continued on ad-hoc basis with effect from 1-4-75 to 30-6-75 or till the post is filled on regular basis in accordance with recruitment rules, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEA,  
General Manager

## CENTRAL REVENUE CONTROL LABORATORY

Delhi-22, the 22nd March 1975

## CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 3/1975.—On transfer Smt. Sarojini Pant, Assistant Chemical Examiner, New Custom House Laboratory, Bombay assumed charge in the same capacity in the Central Revenues Control Laboratory, New Delhi with effect from the forenoon of the 4th March, 1975, against the vacancy caused by the appointment of Shri Harjit Singh, Assistant Chemical Examiner, New Delhi as Assistant Manager, (Chemist) in Ministry of Finance.

No. 4/1975.—On transfer Smt. Shanthi Gopinath Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, New Delhi with effect from the forenoon of the 20th March, 1975, against the vacancy caused by the appointment of Shri V. R. Ramenathan, Assistant Chemical Examiner as Chemical Examiner Gr. II in the same laboratory.

V. S. RAMANATHAN,  
Chief Chemist, Central Revenues.

## INDIAN AUDIT &amp; ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

## WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 25th November 1974

No. Admn.I/1038-XII/3523.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following two Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the dates noted against each or from the dates on which they actually take over charge as Accounts Officers whichever is later and until further orders:

S/Shri

1. Pulin Chandra Das—with effect from November 25, 1974 (F.N.)
2. Santosh Kumar Chowdhury-II—with effect from December 2, 1974 (F.N.)

Their inter-se-seniority in the A.O.'s cadre will be indicated in due course.

Both the Section Officers should take over charge as Accounts Officers in this office.

Shri Das, is pleased at the disposal of Sr. D.A.G.(T) against the vacancy due to expiry of Shri A. K. Acharya.

A.O. Shri Chowdhury will be placed at the disposal of Sr. D.A.G.(I.C.) in place of Shri S. Viswanathan, A.O. who will be on leave on and from December 2, 1974.

The 17th March 1975

No. Admn.I/1038-XII/4968.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary capacity with effect from the date/dates on which they actually take over charge as Accounts Officers hereafter is this office/Office of the Accountant General, Central, Calcutta until further orders:—

S/Shri

1. Bhutnath Das
2. Subodh Kumar Chakravorty
3. Himangshu Kumar Roychoudhury
4. Nikhil Ranjan Sengupta.

The inter-se-seniority of the Officers will be intimated in due course.

The 7th April 1975

No. Admn.I/1038-XIII/5039.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint Sri Pijush Kanti Bhattacharjee, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary capacity with effect from the date he actually takes over charge as Accounts Officer in this office until further orders.

The inter-se seniority of the officer in the A.O's cadre will be intimated in due course.

GHANSHIAM DAS,  
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, J &amp; K

Srinagar, the 9th April 1975

No. Admn.I/60(72) 75-76/96-98.—The Accountant General J & K, has appointed Shri Mohan Krishen Tickoo, a permanent Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer with effect from the forenoon of 3rd April, 1975 until further orders.

P. K. BOSE,  
Senior Deputy Accountant General (A&E)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U.P.-I

Allahabad, the 25th March 1975

No. Admn.I/11-144(xi)(ii)/390.—The Accountant General, Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office w.e.f. the dates noted against each till further orders:—

S/Shri

1. Kirpa Shankar Srivastava—1-3-1975
2. Krishna Chandra Ghosh—18-3-1975.

U. RAMACHANDRA RAO,  
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 29th March 1975

No. OE-I-Audo-6327.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Radhika Bihari Sinha, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 5-12-1974 (A.N.)

Sd/-

Sr. Deputy Accountant General(A).

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR,  
SOUTHERN RAILWAY

Madras-3, the 8th April 1975

No. A/PC/KKR/616.—Sri K. Krishna Rao, a permanent member of the Subordinate Railway Audit service in the Office of the Chief Auditor/Southern Railway is promoted to officiate as Audit Officer with effect from 17-3-1975 (Forenoon) until further orders.

Promotion made in this case is purely on *ad-hoc* basis and shall be subject to the final orders of the Supreme Court.

K. P. JOSEPH,  
Chief Auditor.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF  
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 7th April 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri B. D. Karandikar, Officiating Accounts Officer (Roster No. 0/156) in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Factories), Calcutta on 15-1-1975.

Shri Karandikar is accordingly struck off the strength of the department from the forenoon of 16-1-1975.

S. K. SUNDARAM,  
Addl. Controller General of  
Defence Accounts (Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE  
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES,  
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE.

Calcutta, the 3rd April 1975

No. 12/75/G.—On expiry of extension of service granted for two years, Shri I. N. Khullar, Offg. Assistant Manager (Permanent Foreman), retired from service with effect from 13th October, 1974 (A.N.)

No. 13/75/G.—On attaining the age of superannuation, viz. 58 years, the under-mentioned officers retired from service with effect from the date specified against each:

1. Shri V. R. Jha, Permanent Principal—31st December, 1974 (A.N.)
2. Shri I. S. Judah, Offg. Asst. Manager, (Subst. Foreman)—31st July, 1974. (A.N.)

M. P. R. PILLAI,  
Assistant Director General,  
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 8th April 1975

No. 18(1)/73-75/CLB.II/B.—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (32-A)/59, dated the 16th March, 1959, namely:—

In the table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entries against serial No. 13, the following shall be substituted, namely:—

- (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.

- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handloom and Textiles, Madras.
- (v) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vi) All Assistant Directors of Handlooms and Textiles in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Trichy, Tirunelveli, Kancheepuram, Ramnad at Madurai, Erode and Tiruchengode.
- (vii) All Textile Control Officers.
- (viii) All Inspectors of Textiles.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Tax Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officers.
- (xi) Officers of the Police and Excise Department not below the rank of sub-Inspectors."

No. 18(1)/73-75/CLB.II/A.—In exercise of the powers conferred on me by clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 16(2)/66-CLB-II/C dated the 6th December, 1967, namely:—

In the table appended to the said Notification, in column 2, for the existing entries against serial No. 13 the following shall be substituted, namely:—

- (i) Secretary to Government, Department of Industries, Madras.
- (ii) The Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iii) Joint Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (iv) Deputy Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (v) Assistant Director (Textiles), Office of the Director of Handlooms and Textiles, Madras.
- (vi) All Assistant Directors of Handlooms and Textiles in the circles of Coimbatore, Salem, Madurai, Trichy, Tirunelveli, Kancheepuram, Ramnad at Madurai, Erode and Tiruchengode.
- (vii) All Textile Control Officers.
- (viii) All Textiles Inspectors.
- (ix) Officers of the Revenue Department not below the rank of Revenue Inspector.
- (x) Officers of the Commercial Taxes Department not below the rank of Assistant Commercial Tax Officers.
- (xi) Officers of the Police Department not below the rank of sub-Inspector."

G. S. BHARGAVA,  
Joint Textile Commissioner

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF  
IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 29th March 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL  
(Establishment)

No. 6/1047/74-Admn(G)/2217.—The Chief Controller of Imports & Exports hereby appoints Shri D. V. Wani, Senior Research Assistant, Forward Markets Commission, Bombay as Controller of Imports & Exports Class-II (Non-CSS), in the Office of the It. Chief Controller of Imports & Exports, Bombay in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th February, 1975, until further orders.

2. Shri D. V. Wani will draw pay according to rules in the scale of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

The 2nd April 1975

No. 6/1052/74-Admn.(G)/2282.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri B. S. Pal, SSA, Ministry of Defence, Research and Development Organisation, Dehra Dun, as Controller of Imports and Exports Class II (Non-CSS) in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5th March, 1975 until further orders.

2. Shri B. S. Pal will draw pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A. T. MUKHERJEE,

Dy. Chief Controller of Imports & Exports.  
for Chief Controller of Imports & Exports.

#### OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the 31st March 1975

#### ORDER FOR CANCELLATION

Sub: Cancellation of Exchange Control copy of Import licence No. P/E/0210346/c/xx/48/M/37.38 dated 7-8-1973 issued to M/s. Sagarmull Mohanlall, Madras-1.

No. ITC/Dup. Copy/8/AM75/EI/796.—M/s. Sha Sagar Mull Mohan Lall, 2/202, Govindappa Naick Street, Madras-1, were issued a licence No. P/E/0210346/c/xx/48/M/37.38 dated 7-8-1973 for Rs. 1250/- (Rupees one thousand two hundred and fifty only) by this office for import of Drugs and Medicines (S. No. 87.109/IV) for the period April 73—March 74.

The firm have now applied for grant of duplicate copy of the Exchange Control copy of the above licence on the ground that the original has been lost by them after having utilised fully for April 73—March 74 period. In support of their contention they have filed an affidavit.

A duplicate copy of the Exchange control copy of the above licence has since been issued and the original copy of the licence has been cancelled.

This is reported for your information.

M. F. R. BIJILI,  
Deputy Chief Controller of  
Imports and Exports.  
for Jt. Chief Controller of  
Imports and Exports.

#### MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 31st March 1975

No. A.32014/4/74-Admn(G).—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee, the Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to grant proforma promotion under the 'next below' rule to the following officers as Assistant Directors (Grade II) (Industrial Management & Training) in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, with effect from the 25th February, 1975, and until further orders:—

- (1) Shri A. L. Khaneja, Assistant Director (Grade I) (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Ludhiana.
- (2) Shri I. R. Kidwai, Deputy Director (Export Promotion) Small Industries Service Institute, New Delhi.

2. It is certified that proforma promotion has been given in accordance with the principle 'one officer against one vacancy' and the other conditions of the 'next below' rule are satisfied in these cases.

No. A.19018/161/75-Admn(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri M. S. Narasimhamurthy, quasi-permanent Small Industry Promotion Officer (Industrial Management and Training), Production Centre, Ettumanur, to officiate as Assistant Director (Grade II) in Small Industries Service Institute, Trichur, on an *ad-hoc* basis until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Grade II) in the Forenoon of 12th February, 1975.

K. V. NARAYANAN  
Director (Admn.)

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 27th February 1975

Ref. No. J. No. I(220)/74-75. Acq. File No. 160.—  
Whereas, I K. Subba Rao, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door. No. 12-2-104 situated at Balakrishna Market Vijayawada, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Vijayawada on 15-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the 'Said Act' to the following persons, namely :

1. (1) Sri. G. Tirunarayana Krishna Arya,  
(2) Sri. G. R. Krishna Arya,  
(3) G. S. Sundarama Krishna Arya,  
(4) Sri. G. Sreedhara Krishna Arya, 2 to 4 are being minors guardian father Sri Trunarayana Krishna Arya Vijayawada,  
(Transferor)
2. Shri Tatavarthy Veera Aleka Gopala Krishna Suryanarayana Murthy, Vijayawada.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District-Vijayawada Sub-Registrar Vijayawada Municipality Vijayawada Town-Babu Rajendra Prasad Road-Revenue Ward No. 5-Block No. 8 N.T.S. No. 505-Door No. 12-2-104 Asst. No. 9381-1432 Sq. Yards.

## BOUNDARIES

East—Compoundwall of Sheikh Sadulla Saheb;  
South—Shops of Sri Kowta Purnanadam.  
West—Municipal Road and  
North—Property of Hzimunnisa Begum.

K. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kakinada

Date : 27-2-75.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/390/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana, Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata, w/o Shri Kailash Kumar, B-IX-1061, Shiwal Sanglanwala, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 4-B, measuring 367 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4703 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailash Kumar, s/o Shri Sat Parkash, B-IX-1061, Shiwala songlanwala, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/478/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 14-A, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 14-A, measuring 517 2/3 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4929 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :



FORM I.T.N.S.-----

- (1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. (Through Shri Piara Lal, Director.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s Salig Ram Sat Parkash, Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/479/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot and Room, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot and Room, measuring 200 sq. yds, originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4493 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/480/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-D, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely.

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Lata, w/o Shri Kailash Kumar, B-IX-1061, Shiwala Sanglanwala, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7-D, measuring 266 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4356 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/481/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) (i) Shri Sanjay Kumar,  
(ii) Shri Anil Kumar,  
(iii) Shri Satish Kumar,  
sons of Shri Ved Parkash, Residents of 468-L,  
Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7-B, measuring 209-11/16 sq. yds. Originally belonging to M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4355 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date: 6-2-1975.

Seal:

FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/482/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-A, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Shri Manoj Kumar, s/o Shri Avinash Chander, Model Town, Ludhiana,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7-A, measuring 1814 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning & Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4357 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.  
Seal

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surinder Kumar, s/o Shri Amar Nath. Raikot, District Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

CHANDIGARH

SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/483/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 7-B, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 7-B, measuring 233-13/16 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4441 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Surinder Goel, w/o Shri Rajinder Paul Goel, Resident of Gali No. 7, B-XXIII/356/77, Janak Puri, Ludhiana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/484/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Plot No. 1, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1, measuring 736-1/3 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 4634 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-V,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION  
RANGE, CHANDIGARH 156,  
SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/485/74-75.—Whereas, I G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair 'market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director,

(Transferor)

(2) (i) Shri Surinder Kumar Mittal, s/o Shri Paras Ram.

(ii) Shri Raj Kumar, s/o Shri Jagan Nath, Residents of Industrial Area 'A', No. 184, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, measuring 843½ sq. yds. originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4778 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B.

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/486/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 3-A situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd., Ludhiana, Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Shri Chiranji Lal, s/o Shri Ralla Ram, House No. 1134/23, Mohalla Azad Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd., situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4880 of August, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :



FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. LDH/C/487/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, situated on Oswal Road also known as Gupta Road, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; Ludhiana. Through Shri Piara Lal, Director.

(Transferor)

(2) Shrimati Surjit Kaur, w/o Shri Surjit Singh, Bypass Quarter No. 35, Gill Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 2, measuring 1300 sq. yds., originally belonging to M/s Common Wealth Spinning and Knitting Mills Private Ltd; situated on Oswal Road also known as Gupta Road, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 4840 of August 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH  
156, SECTOR 9-B  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref No. KTL/6/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land 27 kanal 5 marla alongwith factory building at Patti Chowdhri, Kaithal situated at Patti Chowdhri, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kaithal in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

- (1) M/s Kaithal Shora Udyog Jind Road, Kaithal through Sarvshri (i) Dewan Chand,  
(ii) Lal Chand,  
(iii) Gian Chand,  
(iv) Prithi Chand  
(v) Roshan Chand,  
(vi) Sita Ram,  
(vii) Prithi Pal,  
(viii) Chaman Lal,  
C/o Partners.

(Transferor)

- (2) M/s Hindustan Salt Petre Industries, Jind Road, Kaithal through Shri Mithan Lal Bansal, S/o Shri Sita Ram, Kaithal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land 27 kanal 5 marla alongwith Factory Building situated at Patti Chowdhry, Kaithal.

	.46	47
Khasra No.	1,6,2,10	5—6

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mrs. Ernestine Helena, Jezzard Wallang, Kharmalki, Shillong.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Asima Choudhury, C/o. A. K. Choudhury, Oakland Road, Shillong.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
SHILLONG

Shillong, the 20th February 1975

Ref. No. A-83/Shg/74-75. 3891-94.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Registration No. 197, situated at Umlaren (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 3-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 34.39 Acres situated at Umlaren Raid Mawbah, Mylliem Syiemship in Khasi Hills Dist. of Meghalaya State.

EGBERT SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Shillong

Date : 20-2-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Donepudi Ananta Ramaiah (2) Donepudi Leela Krishna Prasad and (3) Donepudi Sai Satyanarayana Prasad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 13th March 1975

Ref. No. Acq. File No. 173 J. No. I(222 & 223) /KR/74-75.—Whereas, I K. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40-15/1-6 situated at Barundavan Colony Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 15-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

2) Sabbineni Raghavaiah and (2) Sri Sabbineni Venkateswara rao and (3) Smt. Sabbineni Vindya Rani, Nagayalanka, Divi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District—Vijayawada Sub-Registrar—Vijayawada, Municipality Vijayawada town—Mogalrajapuram—Brundavan Colony—Old ward No. 24—New ward 28—Revenue ward. 11—Block No. 4—N.T.S. No. 73—Asst. No. 26134—Door No. 40-15/1-6—Site with Daba House.

## BOUNDARIES

East : Municipal Road.  
South : House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah.  
West : House and site of Sri Sabbineni Raghavaiah.  
North : Joint compound wall of E. Laxmaiah.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 6th March 1975

Ref. No. Acq. File. No. 168 J. No. I(583)/74-75.—  
Whereas, I, K. Subbarao,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 733/1, 733/2, 733/3 and 716/2 situated at Kotha-  
peta,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Kothapeta on 15-8-74,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) 1. Pulipaka Narasimharao, Kothapeta  
2. Pulipaka Venakatramanamurthy, Kothapeta,

17—66GI/75

3. P. Narayanarao, Deputy Commercial Tax  
Officer Office of the Commissioner of Commer-  
cial Taxes, Hyderabad.

4. Pulipaka Acharya, Bombay.  
(Transferor)

(2) 1. Smt. Srikakulapu Satyavathi,

2. Sri S. Suryanarayana,

3. Sri S. Rambabu and 4. S. Narayanamurthy, C/o  
Narayana Silk House, Main Road, Kothapeta,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

East Godavari Dist Kothapeta Sub-Registrar—Kothapeta  
Village—New settlements Nos. 733/1, 733/2, 733/3 and  
716/2 Total land—9.02 cents. The details area as under :—

Document No.	Amount <sup>1</sup>	New settlement Nos.	Extent of land
1656/74	Rs. 10,000	733/1	733/3
1653/74	Rs. 10,000	733/3	
1658/74	Rs. 15,750	716/2	
1659/74	Rs. 5,750	733/3	
1660/74	Rs. 5,750	733/1	
1661/74	Rs. 15,750	733/2	
	Rs. 63,000	Land Aq.	9.02 cents

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date . 6-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Nalla Mahesh Kumar S/o Apparao,  
Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Arumilli Achuta Ramarao, S/o Satya-  
narayana, Nidadavolu.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref No. Acq. File No. 158, J. No. I(180)VSP/74-75.—  
Whereas, I, K. Subbarao,  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing Door No. 6-2-19A situated at Waltair ward Waltair,  
(and more fully  
described in the Schedule annexed hereto), has been  
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in  
the office of the Registering Office  
at Visakhapatnam on 15-8-74,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that chapter.

## THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Visakhapatnam Sub-Registrar—  
Visakhapatnam Municipality—Waltair ward—Revised T. P.  
No. 25/71—T.S. No. 76—Block No. 1—Plot No. 11—Door  
No. 6-2-19A Asst. No. 621—817 Sq. Yds. with A.C. Sheets  
shed etc.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date 26-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KAKINADA

Kakinada, the 26th February 1975

Ref. No. J. No. I(273)KR/74-75/Acq. File No. 157.—  
Whereas, I, K. Subbarao,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Lands in R. S. No. 135/2 situated at Angaluru village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guduwada on 31-8-1974.  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Lingam Rangamma, W/o Nagabushnam, represented by Sri Lingam Venkata Ratnam—General power of attorney, Angaluru Village.  
(2) Shri Cherukuri Ramachandra Prasad Perisapally Post, Krishna Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Krishna District Guduwada Sub-Registrar Angaluru village—  
Gram Panchyat Angaluru village R.S. No. (1) 135/2 Ac. 5-52 (2) R.S. No. 134/3 Ac. 0-91 cents (3) R.S. No. 137/4 0-18 cents (4) R.S. No. 137/1 0-32 cents (5) R.S. No. 260/2 0-68 cents; (6) R.S. No. 133/3 0-48 cents—Total land Ac. 8-09 cents.

K. SUBBARAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kakinada.

Date : 26-2-1975.

Seal :

FROM ITNS—

(2) Shri Hari Nand.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th February 1975

Ref. No. 12.H./Acq.—Whereas, I, Beshambar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 78/1-2 situated at Chander Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

A house measuring 2110 sq. ft is situated at Chander Nagar Alambagh Lucknow.

BESHAMBAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

(1) Shri Dev Inder Ray Kochar.

(Transferor)

Date : 17-2-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Beant Kaur, w/o Shri Ram Singh, Garden Colony, R. B. Duni Chand Road, Amritsar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) Smt. Bimla Vati, w/o Shri Hans Raj Kataria  
(ii) Shri Vinod Kumar, s/o Shri Hans Raj Kataria,  
Commercial Buildings No. 2, The Mall, Simla.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

(3) Smt. Kamal Hazuria, w/o Late Shri Pritam Singh Hazuria, House No. 71, Sector 10-A, Chandigarh.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. CHD/168/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 64-P, Street 'C', Sector 10-A, New No. 71, measuring 518 sq yds. with binding, situated at Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 71, Sector 10-A, Chandigarh built on plot No. 64-P, Street 'C', measuring 518 sq. yds.

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New India Colonisers, 55-Bhadaur House, Ludhiana, through Shri Bal Krishan.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/407/74-75.—Whereas, I. G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil & District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 7 kanals 10 marlas, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana,  
Khasra No. 13/25, 20/6,  
Khewat No. 1164/1265.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 5676 of September, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhag Singh, s/o Shri Hari Singh, Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) New India Colonisers, 55, Bhadaur House, Ludhiana,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh the 6th February 1975

Ref. No. LDH/C/443/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land, measuring 7 kanals, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil and District Ludhiana.

Khewat No. 1164/1265.

Khasra No. 20/15, 20/17/1.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 6472 of October, 1974 of the Registering Officer, Ludhiana.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
SECTOR 9-B,  
CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th February 1975

Ref. No AML/4/74-75.—Whereas, I, G. P. Singh, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land and factory, situated at village Mogal Majra, G.T. Road, Gobindgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in August, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely :

- (1) M/s Ajit Steel Rolling Mills, Govindgarh, through
  - (i) Shri Ram Singh,
  - (ii) Shri Hari Singh,
  - (iii) sons of Shri Pratap Singh,
  - (iii) Shri Pritam Singh, s/o Shri Ram Singh, Resident of Chomon, Tehsil Ludhiana.
 (Transferor)

- (2) Sarvshri
  - (i) Yash Paul, s/o Puran Chand Jain,
  - (ii) Sudesh Paul, s/o Nagin Chand,
  - (iii) Darshan Kumar Oswal,
  - (iv) Sri Paul Oswal, s/o Rattan Chand,
  - (v) Smt Neelam Kumari w/o Jangi Lal Oswal,
  - (vi) Smt. Sudha Oswal, w/o Neelam Kumar,
  - (vii) Baldev Raj Jain, s/o Hira Lal Jain,
  - (viii) Hardwari Lal, s/o Prabhati Lal, c/o Shri Yash Paul, Oswal Woollen Mills, Miller Ganj, Ludhiana.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and factory building—Area 8 kanal 7 marlas.  
Khata No. 86/107,  
Khewat No. 86, Khaloni No. 107,  
Patti Malcha, Village Mogal Majra, G.T. Road, Gobindgarh  
North :—cultivable land.  
South :—Main road.  
East :—an open uneven land.  
West :—Diamond Steel Rolling Mills.  
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 747 of August, 1974 of the Registering Officer, Amloh.)

G. P. SINGH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Chandigarh.

Date : 6-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rameshwar Nath Gurtoo,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Km. Madhuri.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOWObjection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned —

Lucknow, the 4th February 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 42-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 198 situated at Mum Ford Ganj Housing Scheme, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Allahabad on 19-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of—

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One plot measuring 1297 sqr. yds which is situated at Mum ford Ganj Housing Scheme in, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
18—66GI/75

Date : 4-2-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Karta Singh &amp; others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshan Singh

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 3rd February 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No 11-D/Acq.—Whereas I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. 73, situated at Sarai Taluka Chhatauna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shahjahanpur on 19-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One plot of land measuring 0.176 Acre which is situated at Mauja—Sarai Taluka Chhatauna in Distt Shahjahanpur.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 3-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM

HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR. 192/Acq.23-294/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1300 A Paiki and No. 1225-A-Paiki TPS No. 2 Mun. Ward No. 1 situated at Timaliawad, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Kekobad Jamshedji Antia, Khorshed Dosabhai Bamji, Bai Mehra—holder of letter of administration for Jamshedji Manekji, Farokh Jamshedji Antia through Maneksha Kunvarji Dordi General Power of Attorney.  
(Transferor)
- 2) M/s. Maheshwari Construction Co. through partner Ajitbhai Narsinhbhai Patel, Chimanlal Narsinhbhai Patel, Narsinhbhai Govindji Patel  
(Transferee)
- (3) M/s Vishnu Land Corporation through partner—Amratlal Ramsingh Contractor,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 1300A Paiki Mun. Ward No. 1, T.P.S. No. 2 F.P. No. 4-A Paiki and also Nondh No. 1255-A-1 Paiki (in Muni. Ward No. 1) admeasuring total area of 582 Sq. yds, situated at Timaliawad, Nanpura, Surat, as mentioned in the registered deeds No. 2744 and 2745 of August, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS— — —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR. 193/Acq.23-350/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni. Nondh No. 1882 Paiki in Municipal Ward No. 1 situated at Gordhanwada, Nanpura, Surat

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-8-1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s. Bildoo Services, Surat—through partner Sri Navinchandra Chimanlal, Salabatpura, Balabhai Street, Surat.

(3) *Confirming parties* :—Sureshchandra Shankarsinh Thakor  
Chandrasinh Shankarsinh Thakor  
Gordhanwad, Nanpura, Surat.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Muni. Nondh No. 1882 Paiki in Mun. Ward No. 1 admeasuring 666 Sq. yds, situated at Gordhanwada, Nanpura, Surat as mentioned in the registered deed No. 2879 of August 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

(1) Ranjitsinh Umraosinh Thakor, Nanpura, Gordhanwada, Surat,

(Transferor)

Date : 7-3-1975.

Seal :



## FORM ITNS

Ramesh Kantilal Shah  
 Veerendra Kantilal Shah  
 Jitendra Kantilal Shah  
 Guardian Kantilal G. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
 HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 10th March 1975

Ref. No. PR. 194/Acq. 23-311/7-4/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Muni, No. 713-B-1 Sur. No. 11/1-2-3 Paiki situated at Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 27-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dhansukhbhai Bhikhabhai Patel, Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari.

(Transferor)

- (2) Kantilal Gagulbhai Shah  
 Shardaben Kantilal Shah  
 Minors—Hasmukh Kantilal Shah

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising land and building known as "Akshaya" bearing Muni, No. 713-B-1 and Sur. No. 11/1-2-3 Paiki admeasuring 2598 Sq. ft. situated at Neelkanth Nagar, Zaveri Sadak, Navsari, Dist. Bulsar as mentioned in the registered deed No. 1653 of August 1974 of the Registering Officer, Navsari

P. N. MITTAL,  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II,  
 Ahmedabad.

Date : 10-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref No. PR.195/Acq.23-353/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 1300 A Paiki and Nondh No. 1255-A-1 Paiki Muni. Ward No. 1 situated at Timaliawad, Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Surat on 14-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Bai Mehra—holder of letter of administration for Jamshedji Manekji, Khorshed Dosabhai Bamji,

Kekobad Jamshedji Antia, Farokh Jamshedji Antia, all of Bombay (at present)

(Transferor)

- (2) Ajitbhai Narsinhbhai Patel  
Chimanlal Narsinhbhai Patel  
Narsinhbhai Govindji Patel of Surat.

(Transferee)

- (3) M/s. Vishnu Land Corporation through partner—  
Amratlal Ramsingbhai Contractor.  
(person whom the undersigned known to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter-XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Nondh No. 1300 A Paiki Muni. Ward No. 1 T.P.S. No. 2 F.P. No. 4 A and also Muni. No. 1 Nondh No. 1255-A-1 Paiki admeasuring total area of 278 Sq. yds. situated at Timaliawad, Nanpura, Surat, as mentioned in the registered deed No. 2743 of August, 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR 196/Acq.23-354/6-2/74-75.--Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 27-Nirman Co-operative Housing Society situated at Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Ugrabhai Joitaram Patel, Medical Officer, SUDASNA-Tal. Kheralu. (Transferor)
- (2) Shri Ambalal Mahijibhai Patel, Supervisor, Mahi Canal Project, MOGRI Tal. Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building situated at 27, Nirman Co-operative Housing Society, Alkapuri, Baroda. Land admeasuring 3828 Sq. ft. with built up area of 2400 Sq. ft. as fully described in Sale Deed registered under No. 3742 on 29-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal;

FORM ITNS—

(2) Shri Natverlal J. Jani, 19-A, Bank of Baroda Officers' Colony, Ajwa Road, Baroda.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM  
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-38009

Ahmedabad, the 7th March 1975

Ref. No. PR.197/Acq.23-355/6-2/74-75.—Whereas, I. P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 49/2 in Arunoday Co-operative Housing Society situated at Alkapuri, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 26-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Dr. Chimanlal Bhailal Shah, 13-A, Doctor's Quarters,  
New Civil Hospital, Majura Gate, Surat.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open plot bearing No. 49/2 and admeasuring 4816-6 Sq. ft. with construction upto plinth on area admeasuring 267 Sq. ft. situated in Arunoday Co-operative Housing Society, Alkapuri, Baroda, as fully described in Sale Deed registered under No. 3721 on 26-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 7-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Pujan &amp; Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopi Singh

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 13th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 18-G/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Madhopur Distt. Ballia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballia on 6-8-74

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

Agricultural Land measuring 74.29 Acres, situated at Madhopur Distt. Ballia.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
19—66GI/75

Date : 13-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Abha Rani Devi &amp; Others,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Surat &amp; others

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 38-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-20/40 D situated at Bhelupura Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 3-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house situated at Moh, Bhelupura Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 13-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Durga Prasad Ghai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ranjit Kaur &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 37-R/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 279/38 situated at Kanpur Road Pandariba Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 26th August, 1974,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 10097 Sq. ft. situated at Kanpur Road Pandariba Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-3-1975,

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Sardar Jagat Singh,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

LUCKNOW

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 16J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. 153/90 F-2 situated at Narain Nagar Colony Laksha Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 29-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kr. Abhai Narain Singh and others,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A House measuring 1800 S. ft. situated at Narain Nagar Colony No. 53/90 F 2-Laksha Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 13-3-1975.

Seal :



FORM ITNS—

(2) M/s. Evershine Builders,  
223, Arun Chambers, Bombay-34.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV,  
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,  
BOMBAY-20.

Bombay-20, the 21st February 1975

Ref. No. AP.205/IAC.AR-IV/74-75.—Whereas, I. G. S. Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 143/3/A & S. No. 143 situated at Ambivali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

- (1) Shri Harchumal H. Khanchandani  
114, Loungani Lodge, Bombay-52.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece OR parcel of land OR ground situate lying and being at Village Ambivali (also known as Amboli) in the Registration District and Sub-district Bombay City and Bombay Suburban stated in the record of rights dated 28th November 1969 under M.R. No. 2692 (II) to admeasure 3409 Sq. yards i.e. 2850.35 Sq. metres or therabout bearing plot No. 143/3/A being a part of Survey No. 143.

G. S. RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
Bombay.

Date : 21-2-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 21st February 1975

Ref. No. PR.190/Acq.23-289/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1936-A Paiki in Muni. Ward No. 2 situated at Kshetrapal area, Sangrampura, Surat annexed hereto) has been (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Bai Nandi Wd/of Zinabhai Bhagabhai  
Jeliben Bhailalbhai  
Sangrampura Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Visco Land Corporation, Surat  
through partners—  
Vimalaben Nanubhai Desai  
Champaklal Chunilal Jinwala  
Taraben Ratilal  
Yashwantlal Chimanlal.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Sardar Construction Co.,  
through partners—  
Manojkumar J. Mehta, Rameshkumar J. Tank,  
Bhairaj Kumar N. Thakkar.

2. M/s. Shreejee Land Corporation, Surat  
through partner—  
Ratilal Chhaganlal Anorwala.

[Person(s) whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property beading Nondh No. 1936-A paiki in Municipal Ward No. 2 admeasuring 250 Sq. Yds. and 241.4 Sq. Yds. i.e., total 491.4 Sq. Yds. situated at Sangrampura, Kshetrapal area, Surat as mentioned in the registered deeds Nos. 3016 and 3017 respectively, of August 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 21-2-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vijai Shanker Wadhwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rizwana Khan.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 15th March 1975

Ref. No. 39-R/Acq.—Whereas, I, Bishamber Nath, being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. B-77 situated at Nirala Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of Land measuring 9600 Sqr. Fts. situated at Nirala Nagar, Distt. Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-3-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nand Kishore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kishori Lal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 29-K/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35 situated at Sikandrabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikandrabad on 19-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

## THE SCHEDULE

A house bearing No. 35 situated at Sikandrabad, Distt. Bulandshahar.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-3-1975  
Seal :

FORM ITNS

Shri Hasan Imam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Auto Sales.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 38-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 100/1, situated at Alayipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 6 Biswa situated at Alayipur, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—66GI/75

Date : 14-3-1975

Seal ;

FORM ITNS

(2) Smt. Lachhmina Devi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 14th March 1975

Ref. No. 11-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. — situated at Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 9-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Shambhu Nath Alias  
Shambhu Lal.

(Transferor)

## THE SCHEDULE

A house measuring 800 Sqr. Fts. situated at Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 14-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Subba Laxmi W/o Sri C. R. Rama Krishna Iyer  
Jayanagar Colony, Chinnacheru, village,  
Cuddapha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri P. Mohd. Ali, S/o Jeevan Khan, Prop. Bhanu  
Studio Y. V. Street, Cuddapha, A.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 17th March 1975

Ref. No. RAC. No. 132/74-75.—Whereas I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/365, 366, 367 situated at Y. V. Street, Cuddapha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddapha on 12-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property : Door No. 13/365, 366, 367, at Y.V. Street, Cuddapha.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 17-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Anantharao Gangakhedkar, S/o Narayanrao, Gangakhedkar, R/o New B-7, beyond Law College, Osmania University, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.

(1) 1. Sri Balram Singh, S/o Balaji Singh, R/o Uppar Dhoolpet, Hyderabad. 2. Sri Bansl-pershah, Srivastava S/o Kishanpershad Sri-vastava R/o Lower Dhoolpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 18th March 1975

Ref. No. RAC. No. 131/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the In-come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ex-cceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion 5-1-482 to 484 situated at Jambagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Property : Portion of the houses and open yard bearing M. No. 5-1-482, 483, & 484, at Jam Bagh, Hyderabad admeasuring 302.29 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-3-1975.

Seal :



FORM I.T.N.S.

(1) Shri Mohd. Uman Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Massar &amp; Others.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1975

Ref. No. 47M/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21/39 situated at Distt. Baranasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 14-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

One storeyed house situated in Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-3-75

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Radha Gobind Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Chandra Gupta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th March 1975

Ref. No. 40 R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 192 situated at Alcenganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 12-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 300 Sqr. Yds. situated at Moh. Alicenganj Distt, Allahabad.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-3-75

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3rd FLOOR,  
NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1975

Ref. No. IAS/Acq. II/814/74-75/9037.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2020 to 2024 situated at Haveli Khan, Kinari Bazar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 23-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Ashrafi Devi, w/o Shri Kirori Mal Luhariwala, 2. Smt. Imrati Devi Moda w/o Sh. Parshotam Dass Moda, 3. Sh. Ramesh Kumar Moda s/o Sh. Parshotam Dass Moda, 4. Sh. Kali Charan Kessan s/o 1. Sh. Madan Lal Kessan, 5. Sh. Raja Ram Bhiwani s/o Sh. Baij Nath Bhiwani r/o 31, Cotton Street, Calcutta. All trustees of Seth Kirori Mal Charity Trust, Raigarh.

(Transferors)

- (2) M/s. Bhartiya Brahman Charitable Trust, 2187, Jamna Bazar, Delhi through its trustees.  
1. Sh. Shyam Behari s/o Sh. Mange Lal, r/o 1267, Kucha Mahajani, Chandani Chowk, Delhi.  
2. Shri Hazari Lal, s/o Shri Kishori Lal, 2187, Jamna Bazar, Delhi.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Pyare Lal s/o Sh. Prasadi Lal  
2. Shri Tika Ram s/o Sh. Chet Ram  
3. Shri Ram Lal s/o Sh. Tika Ram  
4. Shri Bishember Nath s/o Sh. Chedi Lal  
5. Shri Gopi Ram s/o Sh. Madho Ram  
6. Shri Bala Prasad s/o Sh. Ram Rattan  
7. Shri Parmia Nand s/o Sh. Bhoura Lal  
8. Shri Ram Chand s/o Sh. Jeewan Ram  
9. Shri Ghasi Ram s/o Sh. Napak Ram  
10. Shri Ram Charan s/o Sh. Ganga Ram  
11. Shri Mathura Prasad s/o Sh. Hazari Lal  
12. Shri Hanuman Prasad s/o Sh. Ramesh Chand  
13. Shri Sanza s/o Sh. Chuni Lal  
14. Shri Ram Chander s/o Sh. Cheda Lal  
15. Shri Chajju Ram s/o Sh. Kallu Ram  
16. Shri Chander Sheiker s/o Sh. Narain Sahah  
17. Shri Chander Sheiker s/o Sh. Narain Sahah  
18. Shri Budh Ram s/o Sh. Chupi Lal  
19. Shri Gulab Rai s/o Sh. Ganga Ram  
20. Shri Madan Lal s/o Sh. Ganga Ram  
21. Shri Ram Prasad s/o Sh. Kewal Ram  
22. Shri Teja Singh s/o Sh. Kewal Ram  
23. Shri Dalal Chand s/o Sh. Lala Ram  
24. Shri Mukandi Lal s/o Sh. Khumani Rom  
25. Smt. Bhudda d/o Sh. Baldeva.

[Persons in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1250 sq. yds, located at No. 2020 to 2024, at Haveli Khan, Kinari Bazar, Delhi together with 2 storied building constructed thereon together with water & electric connections fitted in this building and bounded as under :—

East—Gali & part of other's property.  
West—House of Lala Bhagwan Sahah,  
South—House of Sh. Ramrich Pal,  
North—Gali & Well.

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 15th March, 1975.

Seal ;

## FORM ITNS

(1) Shri Ratan Chand Wahi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Naram Dhool. (Maheshwari).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 55 S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C—K 8/24 situated at Ganmath (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 14-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 596 Sqr. fts. situated at Moh. Ganmath Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Sardar Satnam Singh Arora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th March 1975

Ref. No. 54-S/Acq.—Whereas, 1 Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 508/5/51 situated at Bose Ganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 29-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sita Kant (Sitakaul) (Sardar Satnam Singh Arora).  
Arora).

(Transferor)

21—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

A house measuring 1800 Sqr. fts. situated at Bose Ganj Distt. Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 18-3-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Roymurat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rajeshwari Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 41-R/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 13 & 14 situated at Vill. Karmda (and more fully des-

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Varanasi on 13-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plots No. 13 & 14 measuring 6035 Sq. ft. situated at Vill. Karmda Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.  
Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Jaspal Malik,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 17-J/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. situated at Jawahar Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Lal Suri,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 263½ Sqr. Yards situated at Moh. Jawahar Nagar Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 13th March 1975

Ref. No. Ac-91/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. V. Lalmawia being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated Belvedere Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed Registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri Mahendra Kumar Choudhury & Kapil Choudhury, 21, Belvedere Road, Calcutta.  
(Transferor)
- (2) M/s, Nagdala Tea Co. Ltd.,  
4, Fairlie Place, Calcutta.  
(Transferee)
- (3) The Vendor  
(Person in occupation of the property)
- (4) Ishwari Prasad Poddar (minor) Son of Sri Mahavir Prasad Poddar, represented by his mother Shrimati Snehalata Devi Poddar,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land measuring 9-kottahs & 2-chittaks being demarcated portion of 21, Belvedere Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-3-1975.

Seal :



FORM ITNS—

(2) M/s. Moraghat Tea Co. Ltd.,  
4, Fairlie Place, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 13th March 1975

Ref. No. Ac-90/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, situated Belvedere Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) S/Sri Mahendra Kumar Chowdhury & Kapil Chowdhury, 21, Belvedere Road, Calcutta.  
(Transferor)

- (3) The Vendor  
(Person in occupation of the property)

- (4) 1. Manoj Kumar Poddar & 2. Deokinandan Poddar, both minor sons of Sri Mahabir Prasad Poddar, represented by their mother Srimati Snehilata Devi Poddar.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One double storeyed building with land measuring 28-kottahs, 15-chittaks & 7-sq. ft., being premises No. 21, Belvedere Road, Calcutta.

R. V. LALMAWIA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 13-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS-----

(1) Smt. Kamleshwari Devi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Savitri Devi,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 56-S/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-29/39 Present 33/37 situated at Khalispura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Varanasi on 9-8-74

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storcyed house No. D. 33/37 measuring 35×30 its, situated at Moh. Khalispura, Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-75.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-327(154)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 391 & 392, S.P. No. 7, Hissa No. 7-B, T.P.S. No. 3, situated at Changispur, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahendra Harilal Trivedi, C-6, Jyoti Colony, Near Mission Hospital, Baroda  
(Transferor)

(2) 1. Sumanben Aniruddh Shelat,  
2. Yogesh Aniruddh Shelat,  
3. Jyotindra Aniruddh Shelat,  
Maharashtra Society, Ellisbridge, Ahmedabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 300 sq. yds. bearing Final Plot No. 391 & 392, Sub-Plot No. 7 Hissa No. 7-B of T.P.S. No. 3 and situated at Changispur, Ahmedabad.

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 20-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Navrang Apartment Co-operative Housing Society Ltd., Fateganj, Baroda—through President—  
Shri Mohamed Hanif Abdulmajid Patel, BARODA.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 19th March 1975

Ref. No. PR.202/Acq.23-11/351/6-2/74-75.—Whereas, I P. N. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D. Tika No. 1/10—S.No. 42/1 Paiki Open land—3660 Sq. ft. situated at Fatehganj Camp main road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 8-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Vyankatrao Krishnarao Uplap
- (2) Vithalrao Krishnarao Uplap
- (3) Sayajirao Krishnarao Uplap
- (4) Madhuker Krishnarao Uplap  
'Kamal-Kunj', Fatehganj, Baroda-2.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing D. Tika No. 1-10 S.No. 42/1 admeasuring 3660 Sq. ft. situated on main road of Fatehganj Camp, Baroda, as fully described in Sale deed registered under No. 3455 on 8-8-1974 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 19-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) S/Shri Rajankumar Manibhai Patel  
Arvindbhai Nathabhai Patel Baroda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Ref. No. PR.204/Acq.23-338/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cellar and Ground-floor 50-A-Kunj Society Alkapuri Area, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vrajangnadevi Vithalnathji Goswamy—  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and part of the building viz., Cellar and Ground-floor of the building situated on 59-A Kunj Society, Alkapuri area, Baroda, along-with interest and rights fully described in Sale Deed registered under No. 3363 dated 2-8-1974 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range II,  
Ahmedabad.

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Vrajangnadevi Vithalnathji Goswamy,  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Sanatkumar Manibhai Patel  
Jashbhai Lallubhai Patel, Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Ref. No. PR.205/Acq.23-338/6-2/74-75.—Whereas, I,  
P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No. Flat

No. 1st floor, Garrage—with 2 Rooms including land situ-  
ated at 59-A Kunj Society, Alkapuri area, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Baroda on 2-8-1974

5-7-74 for an apparent consideration which is less than the  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and part of  
the building viz., 1st floor and Garrage with two rooms  
adjoining garrage, situated on Western side on 59-A Kunj  
Society, Alkapuri area, baroda, alongwith interest and rights  
as fully described in Sale Deed registered under No. 3363  
dated 2-8 1974 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Viojangnadevi Vithalmathji Goswamy.  
59-A, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) S/Shri Kanubhai Mahijibhai Patel  
Raojibhai Bhailalbhai Patel Baroda.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th March 1975

Ref. No. PR.206/Acq.23-338/6-2/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. IIrd floor and IIIrd Floor situated at 59-A Kunj Society Alkapuri Area, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and part of the building viz., IIrd and IIIrd floors situated on 59-A, Kunj Society, Alkapuri area, Baroda, alongwith interest and rights as fully described in Sale Deed registered under No. 3364 dated 2-8-1974 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 11-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th March 1975

Ref. No. 58-S/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 625 situated at Habibpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 16-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Bindhayachal Prasad Gupta.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sumatra Devi Mehra and others.  
(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 60 ft X 70 sq. fts. situated at Mah. Habibpura Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-3-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(2) Smt. Triveni Devi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 6-T/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 25 situated at Distt Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 8-8-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Chakarvartty.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot of land No. 25 measuring 5000 Sqr. fts. situated at Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri H. T. Idnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Rashid.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Ref. No. 39A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WD-7/15 144/17 situated at Gweyne Road, (Tek) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

A three storeyed house measuring 1594 Sqr. fts. situated at Gweyne Tek (Road) Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-3-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Panna Lal Gupta &amp; Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bismillah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said  
property may be made in writing to the undersigned.—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. 35-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48/84 and 48/85 situated at Kutub Shaheed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 19-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and

## THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 48/84 and 48/85 situated at Kutub Shaheed Distt. Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ram Lal Suri.  
(2) Shri Ashok Kumar.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. 40A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25000/- and bearing  
No. Nil situated at Jawahar Nagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
registering officer at  
Moradabad on 3rd August 1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said act in res-  
pect of any income arising from the transfer; and/  
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act,  
to the following persons namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said act shall have the  
same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 263½ Sq. yds., situated  
at Jawahar Nagar, Moradabad.

BISHAMBHAR NATH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Date : 17 March 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. M. No. Acq/133D.Dun/74-75/3107.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 225 situated at Rajpur Road, Dehradun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 20-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—  
23—66 GI/75

- (1) Mrs. Jamila Ross, widow of Mr. James Christopher Ross, 173, Rajpur Road, Dehradun.
- (2) The Tibetan Women's Centre, a registered society under the Indian Societies Registration Act, 210, Rajpur Road, Dehradun.
- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property consisting of Main kothi, out-houses, trees, open land measuring about 9 bighas bearing Municipal No. 285, Rajpur Road, Dehradun and known as "KILLAR-NEY", transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975

Seal :

## FORM INTS-----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. No. 123/Acq/Agra/74-75/3108.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 5/41 situated at Tila Gaj Singh, Hing Ki Mandi, Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 7-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Krishna Kumar Sachdeva,  
S/o Lala Milkhi Ram Sachdeva,  
R/o 74, Surya Nagar, Agra.
- (2) Shri Devan Das,  
S/o Shri Dharam Das,  
R/o 32/97, Chhoti Hakimo Gali,  
Kala Mahal, Agra.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 5/41, situated at Tila Gaj Singh, Hing Ki Mandi, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 42,000/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Mahabir Prasad Dalmia,  
S/o Late Sri Brij Lal Dalmia,  
R/o 26/52, Birhana Road,  
Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. F. No. Acq/227/KNP/74-75/3109.—Whereas, I,  
Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 23 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd.  
Kanpur.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 23 area 866.66 sq. yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 19th March 1975

Ref. F. No. Acq./228/KNP/74-75/3110.—Whereas, I,  
Y. KHOKHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Plot No. 29 situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Swadeshi Cotton Mills Co. Ltd., Juhi, Kanpur. (Transferor)  
Kanpur.  
(2) Shri Kishan Lal Kedia, S/o Late Sri R. L. Kedia, R/o B-1, Swadeshi Cotton Mill Bunglow, Juhi, Kanpur. (Transferee)  
Kanpur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Immovable property Plot No. 29, area 866.66 sq.yds. situated at Anandpuri, 133/60, Juhi, Kanpur, transferred for apparent consideration of Rs. 51,999.60.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 19-3-1975  
Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 18th March 1975

Ref. F. No. Acq./164/KNP/74-75/3111.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 120/572 situated at Narain Purwa, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 1-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kamal Kishore Seth,  
S/o Sri Durga Dass Seth,  
124/131, Govind Nagar,  
Kanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Meharchand Kaur,  
W/o Pooran Chand;  
Smt. Janak Dulari,  
W/o Sarwan Lal,  
Smt. Shakuntala Rani,  
W/o Sri Satya Prakash,  
All residents of 118/198, Kaushalpur,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 120/572, situated at Narain Purwa, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

Y. KHOKHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 18-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1975

Ref. F. No. Acq/134/Gbd./74-75/3115.—Whereas, I, Khokhar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 115, situated at Moh. Balupura, Ramteram Road, Ghaziabad Distt. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Ghaziabad on 2-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Chandra,  
S/o Sri Remaldas and Sri Ghanshyam Das,  
s/o Sri Wasnaram,  
residents of Moh. Premपुर, Ghaziabad; and  
Sri Pujari Lal,  
S/o Sri Punnu Ram,  
R/o Moh. Nasratpura, Ghaziabad,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Varun Kumar and  
Sri Rakesh Kumar,  
Ss/o Lala Raghubansh Kumar and  
Smt. Pratibha Rani,  
W/o Sri Arun Kumar,  
R/o 138 to 140, Rightganj, Ghaziabad,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One storeyed ahata bearing Nagar Palika No. 115, situated at Mohalla Balupura, Ramteram Road, Ghaziabad, Distt. Meerut, M/s. Gelaram Tara Chand, Ramtiram Road, Ghaziabad, having area measuring about 510 sq. yds., transferred for apparent consideration of Rs. 85000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 21-3-1975  
Seal :

FORM ITNS—

(2) The Ideal Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 12th March 1975

Ref. No. 5-T/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35/1B, situated at Rampur Garden, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bareilly on 24-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravindra Pratap Singh.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house No. 35/1B having four flats situated at Rampur Garden, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 12-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shryoday Co-op. Housing Society Ltd. Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saraswati Jia Ram.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Lucknow, the 12th March 1975

Ref. No. 54-S/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-Rana Pratap Marg, situated at 9, Rana Pratap Marg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 13-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

A plot of land measuring 7200 Sq. Ft. situated at 9-Rana Pratap Marg, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-3-1975  
Seal :

## FORM IINS

(2) Dr. A. A. Jodhya Prasad Verma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 37-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 Block AI-35, situated at Civil Line, Rampur Bagh, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in July 1974 Bareilly on 16-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Hem Lata Gupta & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot measuring 604 Sqr. yards situated at Civil Line, Rampur Bagh, Bareilly.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 13-3-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Laxmi Srivastava.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th March 1975

Ref. No. 10-L/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Akbarpura, Bahraich (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bahraich on 22-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

A house measuring 762.81 Sqr. Meters situated at Moh. Akberpura, Bahraich.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property of the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

(1) Smt. Rupawati,

(Transferor)

Date : 13-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 7th March 1975

Ref. R.A.C. 129/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-1-746 to 748 & 7-1-753/1, situated at Market street, Secundrabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Secundrabad on 12-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Mirza Asadullah Beig S/o late Mirza Ibrahim Beig, 1-6-797, Musheerabad, Hyderabad.
2. Smt. Bilkees Banu W/o Mohd. Ghalib, —do—
3. Smt. Anees Banu W/o Syed Esa 16-4-42, Chanchalaguda, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Jaksani Lakshmana Rao, S/o Ramachandraiah,
2. Jaksani Purushottam S/o Ramachandraiah,
3. Jaksani Sreenivasulu S/o Ramachandraiah,
4. Jaksani Krishnamurthy S/o Ramachandraiah,
5. Jaksani Jaksani Venkateswara Rao S/o Ramachandraiah,
- 3 to 5 being minors represented by guardian father Ramachandraiah.

All are residing at Maredpalli, Secundrabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of the land together with the building, constructions and erections standing thereon and bearing Municipal No. 7-1-746 to 748 and 7-1-753/1 (Old No. 3930 and 3931) situated at Market Street, Secundrabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 7-3-1975  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004.

Poona, the 11th March 1975

Ref. No. C.A.5/Haveli-I/August'74/182/74-75.—Whereas, I. H. S. Aulakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 352, Narayan peth situated at Poona (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sadashiv Vishnu Bhome,  
615, Narayan Peth, Poona-30.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Anant Sakharam Ranade,  
50, Narayan Peth, Poona-30.

2. Shri Prabhakar Dattatraya Bhide,  
941/9, Shivajinagar, Sudarshan Sahakari Griha  
Rachana Sanstha Maryadit, Poona-16.
3. Shri Prabhakar Ganesh Kanitkar,  
1544, Sadashiv Peth, Poona-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Poona within Municipal Corporation Limits bearing eastern portion of C.T.S. No. 352, Narayan Peth, having area 136.2/9 Sq. Mtrs. Freehold and bounded as under:—

Towards East—Shedge Vithal Mandir

Towards West—Remaining portion of C.T.S. No. 352, got by nephew Shri Prabhakar Vishwanath Bhome and others.

Towards South—Laxmi Road.

Towards North—Property of Vijay Chitra Mandir.

H. S. AULAKH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona.

Date : 11-3-1975

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Syed Amanullah Hussaini, S/o Syed Naimathullah Hussain, R/o No. 14-1-365, Agapura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

(2) Smt. Shafiunissa W/o Sri M. A. Ghaffar, H. No. 14-1-365 Agapura, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 24th March 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. RAC. No. 136/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 14-1-365 situated at Agapura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property : House C.I.B. No. 452/Spl. A-M.C.H. No. 14-1-365, at Agapura, Hyderabad. Area : 423.54 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref No. RAC. No. 135/747-5—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-11-254/1 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Sri Addagatta Janardhan Rao, 2. A. Ravinder, 3. A. Anand, 4. Sri A. Devanad, all residing at H. No. 37 Krishnanagar Colony, Prenderghast Road, Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. S. K. Shontamani, H. No. 122 (New 5-3-240) Jeera, Secunderabad, 2. The Firm of M/s. V. V. Raman per Managing Partner Sri V. V. Raman, H. No. 117, Hyderbasti, Secunderabad, 3. Sri V. V. Raman, 4. Smt. V. Savithri, W/o V. Sundaram, 5. Smt. V. Saraswathi, W/o Sri J. Lakshmi, Narsimhan, all are under C/o M/s. V. V. Raman & Co., H. No. 117, Hyderbasti, Secunderabad.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Associated Cement Companies Ltd. Secunderabad, 2. M/s. Mecneilla & Barry Limited, Secunderabad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : All that Double storeyed building with Three Garages, constructed on plot of land No. 35, admeasuring 837-Sq. Yds. bearing Municipal No. 1-11-254/1 (Shanti Nivas) Kirlosker Colony, (Motilal Nagar), Begampet, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kamabhai Kanabhai Bharwad, Village :  
Gyaspur, Tal. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Kesarkunj Co-op. Housing Society Organisers,  
1. Shri Jyantilal Motilal Thakar, Shivshankar  
Society, Naranpura, Ahmedabad.2. Shri Bhanvarlal Jamnalal Shah, Kalika  
Mata's Wadi, out-side Delhi Darwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th March 1975

Ref. No. Acq. 23-I-456(157)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 2-2, Hissa No. 1, situated at Wadaj, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Ahmedabad on 26-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring in all to 1115 sq. yards transferred by way of two documents Nos. 9041 and 9186 as details given below :—  
Document No. 9041 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1 situated at Wadaj, Ahmedabad (Area) : 557.5 sq. yards).  
Document No. 9186 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1 situated at Wadaj, Ahmedabad (Area : 557.5 sq. yds).

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 24-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bhagabhai Karsanbhai Bharwad, Village :  
Gyasapur, Tal. Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 24th March 1975

Ref No. Acq. 23-I-457 (158)1-1/75.—Whereas, I  
J. Kathuria,  
being the Competent Authority under  
Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act')  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Survey No. 2-2, Hissa No. 1 and 2 situated at  
Wadaj, Ahmedabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
registering authority at  
Ahmedabad on 26-8-1974  
for an apparent  
consideration which is less than the fair market value of the  
aforesaid property and I have reason to believe that the fair  
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

- (2) Kesarkunj Co-op. Housing Society Organisers,  
1. Shri Jyantilal Motilal Thakar, Shivshankar  
Society, Naranpura, Ahmedabad.  
2. Shri Bhanvarlal Jamnalal Shah, Kalika  
Mata's Wadi, Out-side Delhi Darwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-  
movable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring in all to 1115.5 sq. yards transferr-  
ed by way of two documents Nos. 9042 and 9182 as  
per details given below :—

Document No. 9042 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1, situated at Wadaj,  
Ahmedabad (Area : 558 Sq. Yards).

Document No. 9182 :

Survey No. 2-2, Hissa No. 1, situated at Wadaj,  
Ahmedabad (Area : 557.5 sq. yards).

J. KATHURIA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 24-3-1975.  
Seal :

## FORM ITNS

(2) M/s. Kandhari Corporation, H. No. 5-3-831,  
Goshamahad, Road, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref No. RAC. No. 139/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-410/1/4 situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 30-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer; and

## THE SCHEDULE

Property : Plot No. E-3 House No. 1-2-410/1/4 at  
Gaganmahal Co-operative Development Society, Hydera-  
bad.

North—By 30 Ft. Road.

South—By H. No. 1-2-41/A and plot.

East—By the House of Mrs. Mythili Krishnaswamy.

West—By the property of Dr. Leela.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the  
following persons namely :—

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

(1) Smt. Janaklal W/o Sri Kasturilal, residing at  
5-Gidney Park, Poona,

(Transferor)

Date : 25-3-1975,

Seal ;

FORM ITNS—

- (2) Sri Duggisetty Venkatamalyadri, minor guardian by mother Smt. Lakshmikanthamma, W/o Malakondiah, Kavali, town, Nellore.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC, No. 134/74-75.—Whereas, I. K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17/272 situated at Trunk Road, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 5-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Sri Budumgunta Subrahmanyam, S/o Anjaneyalu, Trunk Road, Nellore.  
(Transferor)

## THE SCHEDULE

Property : Ward No. 17 Door No. 272 at Trunk Road Opp : to V. R. College Nellore.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-3-1975,  
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Gajjela Sailamma, W/o Sri C. Ramreddy,  
residing at Baharamlguda, Tq. East Hyderabad  
Distt.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 24th March 1975

Ref. No. RAC. No. 137/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,  
being the competent authority under section 269B of  
the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 17-1-197 situated at Saidabad Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto) has been transferred as per deed registered  
under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the  
Hyderabad on 16-8-1974  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

(1) Sri Mohd. Ahmadullah, S/o late Habeebullah,  
residing at Noor Khan Bazar, near Deen Yarjung  
Bunglow, Hyderabad.

(Transferor)

## THE SCHEDULE

Property : Municipal No. 17-1-197, at Sayeedabad  
(Indira Seva Sadan) Hyderabad.

Area : 1920 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 24-3-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref. No. RAC. 141/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-17 situated at Murlidhar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Syed Shah Raheem Quadri, 2. Smt. Vazira Begum, 3. Smt. Husaini Begum, 4. Smt. Shahoda Begum, 5. Parvanishmunisa Begum, all residing at Farban Wadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.  
(Transferor)

- (2) Smt. Shakuntala Bai, W/o Ram Autar, residing at Gandhi Bazar, H. No. 21-7-868, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of old House No. 1914 and New No. 5-4-17 at Farban Wadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.

Seal :



FORM ITNS—

- (2) 1. Sri Ganesh Pershad, 2. Sri Jadish Pershad, 3. Sri Mahabeer Pershad, all residing at Devdi Mama Jameela, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 25th March 1975

Ref. No. RAC. No. 142/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-18 situated at Murlidhar Bagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 23-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Syed Shah Raheem Quadri, 2. Smt. Vazeera Begum, 3. Smt. Hussaini Begum, 4. Smt. Shaeda Begum, and 5. Smt. Parvarishnunnissa Begum, all residing at Farmabbadi, near Murlidhar Bagh, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House No. 5-4-18 near Farmanbadi, Murlidhar Bagh, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Indocean Engineers, Private Ltd., its Managing Director, Mr. N. J. Bhagia, R/o Road, No. 14 Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

- (2) M/s. Hindustan Monark Private Ltd., Represented by its Director S. C. Jain, A-2, Industrial Estate, Sanathanagar, Hyderabad-18.  
(Transferee)

Hyderabad, the 25th March 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 140/74-75.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 187 situated at Qutubullapur Village Medchal Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on 22-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property : land Survey No. 187, at Qutubullapur Village, Medchal Tq. Hyderabad Distt.. Area : 7 acres 18 guntas.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 25-3-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-1/ABR/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1971) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. Land, situated at Tibi Sahib Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Muktsar in August, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Kumar s/o Shri Budh Ram s/o Shri Jai Dayal, Muktsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sunita Ahuja w/o Shri Shashi Kant Ahuja partner of M/s. Mulakh Raj Madan Mohan, Muktsar.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1843 of August, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-2/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Kothi, situated at Majitha Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Gurdial Singh, 30, Circular Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Smt. Promilla Prabhakar w/o Shri Sudesh Kumar, E.R. 211 Pacca Bagh, Jullundur City.  
(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 Kothi in Gobind Singh Nagar, Colony, Tungbala Subarben Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5576 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-3/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. 1/2 Kothi, situated at Majitha Road Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurmeet Kaur w/o Gurdial Singh, 30, Circular Road, Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Promilla Prabhakar w/o Shri Sudesh Kumar, E.R. 211 Pacca Bagh, Jullundur City.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 Kothi in Gobind Singh Nagar, Colony, Tungbala Subarben Majitha Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 5705 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Banwari Lal s/o Shori Lal, Kt. Ahluwalia,  
Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property,  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/AP-4/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 43, situated at R. B. Parkash Chand Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Narinder Chand Mehra s/o Shri Labh Chand Mehra, Mall Road, Amritsar through Shri Lalit Chand Mehra Attorney.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 43, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1864 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/ZRA/AP-5/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Land, situated at V. Dharam Singh Wala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

- (1) Shri Sewa Singh s/o Shri Achar Singh s/o Shri Gulab Singh r/o Dharam Singh Wala,  
(Transferor)
- (2) Shri Malkit Singh, Daljit Singh s/o Avtar Singh s/o Natha Singh r/o Lande Ka Tehsil Moga,  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property,  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2895 of August, 1974 of the Registering Authority Zira.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-6/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout in August on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Balwant Singh s/o Gulzar Singh s/o Hira Singh r/o V. Daulat Pura Teh. & District Sriganga Nagar,  
(Transferor)
- (2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjit Singh, Gurjit Singh ss/o Karam Singh s/o Natha Singh, Rampinder Singh, Papinder Singh ss/o Gurminder Singh s/o Karam Singh r/o V. Panniwala Phatta Teh. Muktsar,  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above,  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1575 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-7/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Panniwala Phatta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Malout in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dara Singh s/o Hira Singh s/o Bholla Singh, Vill. Daulat Pura Teh. & District Sriganga Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjot Singh, Gurmit Singh ss/o Karam Singh s/o Natha Singh, Ranpinder Singh, Pupinder Singh ss/o Gurminder Singh s/o Karam Singh r/o V. Panniwola Phatta Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1573 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/MLT/AP-8/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated at Panniwala Phatta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout in August 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jarnail Singh s/o Dula Singh s/o Behla Singh Village Daulat Pura Teh. & District Sriganga Nagar.

(Transferor)

- (2) Shri Jaswinder Singh, Sukhjit Singh, Gurmit Singh ss/o Karam Singh s/o Nathu Singh, Ranpinder Singh, Papinder Singh ss/o Gurmit Singh s/o Karam Singh r/o Panniwala Phatta Teh, Muktsar.

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1574 of August, 1974 of the Registering Authority, Malout.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 10-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 10th April 1975

Ref. No. ASR/Phg/AP-9/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Khalwara Road Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Manohar Lal s/o Shri Sant Lal c/o M/s. Calcutta Mating House Loha Mandi Road, Phagwara.  
(Transferor)
- (2) S/Shri Dev Singh, Harbans Singh ss/o Sadhu Singh s/o Dassondha Singh r/o V. Manik Teh Phagwara.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1095 of August, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 10-4-75.  
Seal :

FORM ITNS

(2) Shrimati Bimla Devi Poddar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-IV,  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. AC/213/R-IV/Cal/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Canning St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 6-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarajit Mitra & Ranjit Mitra,  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of premises No. 8, Canning Street, Calcutta being an area of 10 K. 6 Ch. 3 sft. including building.

S. BHATTACHARYYA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-4-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Santilata Mitra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bimla Devi Poddar,

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-IV, CALCUTTA.

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. AC-214/R-IV/C&J/75-76.—Whereas, I, S. Bhattacharyya being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Canning St. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-74

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—66GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of premises No. 8, Canning Street, Calcutta with a total area 10 K. 6 Ch. 3 sqt. including building.

S. BHATTACHARYYA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-IV,  
Calcutta.

Date : 19-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,  
POONA-411004.

Poona-411004, the 21st April 1975

Ref. No. C.A. 5/August'74/Haveli-II (Poona)/192/75-76.—  
Whereas, I, S. P. Krishnamurthy,  
being the competent authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter  
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. City Survey No. 613/B, situated at Nanapeth, Poona  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Haveli-II (Poona) on 5-8-74  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the  
following persons namely :—

- (1) 1. Sardar Sorabji Ratanji Patel Trust Fund,  
Managing Trustee : Sardar Dastur Hormaza-  
dayar Noshervan Kaikobad Dastur, 613,  
Nana peth, Poona-2.

2. Shri Jayantilal Bapulal Shah, At 'I' Flat,  
No. 180, Adinath Society, Satara Road,  
Poona-9.

(Transferor)

- (2) Shree Kamalesh Co-operative Housing Society  
Ltd., Chairman : Shri Subhashchandra, Dina-  
nath Salhotra, 613-B, Nana peth, Poona-2.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the afore-said persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold open land at City Survey No. 613-B, Nana  
peth, Poona-2.

Area : 6908.2 Sq. ft.

S. P. KRISHNAMURTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date : 21-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

RANGE-II, (3RD FLOOR), 54, RAFI AHMED  
KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 19th April 1975

Ref. No. Ac-1/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/753, situated at Diamond Harbour Rd., Calcutta-53 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Prags on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Gangadin Shaw, S/O. Late Shew Prosad Shaw, 31, S. R. Road, Calcutta-26.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Maharaj Krishan Chhabra, S/O, Sri Behari Lal Chhabra, & 2. Mrs. Shanti Devi, W/O, Sri Maharaj Krishan Chhabra, both of 154, Bakul Bagan Rd., P.S. Bhowanipore, Calcutta-25.

(Transferee)

- (3) (The transferor hereto).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4.03 cottahs being demarcated western portion of Plot No. 753, Block 'P', New Alipore, Municipal Premises No. 23A/753, Diamond Harbour Road, P.S. New Alipore, Calcutta-53.

S. S. INAMDAR,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, (3rd floor),

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 19-4-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. CR. 62/2884/74-75/Acq.(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560027 being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-A, 2B, situated at Crescent Road, High Grounds, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Gandhinagar, Bangalore (document No. 2323/74-75) on 26th August, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sri H. Venkataswamappa, No. 160, Cubbonpet Main Road, Bangalore-560002.  
(Transferor)
- (2) M/s. Hotel Bangalore Inter-National Private Limited, No. 2-A, 2B, Crescent Road, High Grounds, Bangalore, represented by its Managing Director : Shri Amar Lulla.  
(Transferee)
- (3) (A) Hotel Brindavan, 2A/2B, Crescent Road, High Grounds, Bangalore, (Firm), (B) Hotel Bangalore International Private Ltd., 2A/2B, Crescent Road, Bangalore-1.  
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s. Karnataka State Financial Corporation, Bangalore.  
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land with the buildings, tenements, hereditaments and all appurtenances thereon consisting of non-residential premises comprising of five storeys (including ground floor), with sixty three rooms, one Conference hall, one restaurant, one bar, one reception, being parts of the building premises on the annexed plan bearing Nos. 2-A, 2-B, situated in Crescent Road, High Grounds, Bangalore city, bounded and measuring as follows :—

Bounded on the—

North by—Crescent Road.  
South by—Private Property.  
East by—Private Property (Vacant plot)  
West by—Private Property (Corner Plot)

Measuring North to South—

108'—6" on the Eastern side; and  
149'—6" on the Western side.

Measuring East to West—

107'—0" on the Northern side; and  
186'—6" on the Southern side.

(Document No. 2323/74-75 dated 26-8-1974).

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date 23-4-1975

Seal :



FORM ITNS—

(2) Kumari Latha Sethupathy, No. 20/1-A, Satyanarayana Avenue, Madras-28.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-2,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras, the 25th February 1975

Ref. No. F. 1343/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1-C, R.S. No. 1553/1, situated at Murrays Gate Road, Teynampant, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Mylapore, Madras on September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Thirunavukkarasu, No. 1, First Link St., C. I. T. Colony, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site measuring 2 Grounds & 2371 Sft. in Plot No. 1-C R.S. No. 1553/1 Part, Murrays Gate Road, Teynampet, Madras-18.

A. RAGHAVENDRA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Madras-6.

Date : 25-2-1975.

Seal :

